शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 320 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 26 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पश्चिम एशिया के हालात सुधरे, केंद्र ने कमर्शियल एलपीजी की सभी... पेज 2

आपातकाल की बरसी पर भाजपा ने मनाया काला दिवस, कांग्रेस पर लोकतंत्र... पेज 3

आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात था : जेपी नड्डा पेज 5

फीफा विश्व कप 2026 : मेक्सिको ने चेकिया को 3-0 से रौंदा, ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ईश्वर मूर्तियों में नहीं है। आपकी भावनाएं ही आपका ईश्वर है। आत्मा आपका मंदिर है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

तारातला गोदाम हादसा में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता के तारातला इलाके में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढहने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। हादसे में 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनका राज्य संचालित अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा में मृतकों के प्रत्येक परिजन को 10 लाख रुपए और प्रत्येक घायल -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तर-पश्चिम पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी दिनों में उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसी बीच उत्तर-पूर्वी राज्यों सहित बिहार तथा उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू का प्रकोप भी जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में 26 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और -शेष पृष्ठ दो पर

वेनेजुएला में भूकंप से तबाही, अब तक 164 लोगों की मौत, 971 लोग घायल

काराकास (हि.स.)। वेनेजुएला में बुधवार देर रात आए दो शक्तिशाली भूकंपों ने व्यापक तबाही मचा दी। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस प्राकृतिक हादसे में 164 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 971 लोग घायल हुए हैं। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों से पूरी जानकारी अभी नहीं मिल सकी है, इसलिए मृतकों की संख्या में और वृद्धि होने की आशंका है। भूकंप के बाद देश में आपातकाल घोषित कर दिया गया है और बचाव कार्य जारी हैं। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत वेनेजुएला को हर संभव मदद देने के लिए तैयार है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को कहा कि वेनेजुएला की जरूरत को देखते हुए चीन मदद के लिए जो कुछ भी कर सकेगा, करेगा। चीन की सरकारी समाचार सेवा शिन्हुआ व अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के अनुसार पहला भूकंप बुधवार शाम करीब 6.30 बजे (भारतीय समयानुसार गुरुवार तड़के करीब 4.00 बजे) 7.1 तीव्रता का था। इसके ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा और अधिक शक्तिशाली झटका महसूस किया गया। दोनों भूकंपों का केंद्र राजधानी काराकास से लगभग 160 किलोमीटर पश्चिम में स्थित तटीय शहर मोरोन के पास आए। भूकंप की गहराई मात्र 10 किलोमीटर होने के कारण इसका प्रभाव अत्यंत विनाशकारी रहा। सबसे अधिक नुकसान उत्तरी वेनेजुएला का तटीय राज्य ला गुएरा में हुआ है, जिसे सरकार ने *आपदा क्षेत्र* घोषित कर दिया है। दर्जनों इमारतें ढह गई हैं और कई इलाकों में संचार व्यवस्था बाधित होने से राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हो रहे हैं। राजधानी काराकस और उसके आसपास भी कई बहुमंजिला इमारतें धराशायी हो गईं। राहतकर्मी मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने घटनास्थल के हालात को *हॉरर फिल्म जैसा दृश्य* बताया है। यूएसजीएस की प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट के अनुसार मृतकों की संख्या हजारों तक पहुंच सकती है। वहीं, विपक्ष समर्थित एक वेबसाइट पर 6,600 से अधिक लोगों के लापता होने की सूचना दर्ज की गई है। सरकार ने पूरे देश में आपातकाल घोषित कर दिया है। सभी स्कूलों और गैर-जरूरी गतिविधियों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। कई स्कूलों को राहत सामग्री संग्रह केंद्र और अस्थायी आश्रय स्थल में बदला जा रहा है। सुरक्षा कारणों से काराकस मेट्रो तथा कुछ रेल सेवाएं भी -शेष पृष्ठ दो पर

वेनेजुएला आपदा पीएम मोदी ने जान गंवाने वालों के प्रति जताया शोक

नई दिल्ली/काराकास (हि.स.)। वेनेजुएला की राजधानी काराकास में दो शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसमें भारी जानमाल की हानि हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को इस तबाही में जान गंवाने वालों के प्रति शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, वेनेजुएला में आए भीषण भूकंपों से हुई तबाही से मैं बेहद दुखी हूं। भारत की जनता की ओर से, वे वेनेजुएला सरकार और जनता, विशेषकर उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं तथा इस मुश्किल समय में सभी प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

राज्य के 17 प्रतिशत से अधिक परिवार शून्य भुगतान करते हैं बिजली का बिल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि केंद्र की पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत छतों पर सौर पैनल लगाने वाले राज्य के 17.6 प्रतिशत परिवार अब शून्य बिजली बिल का भुगतान कर रहे हैं, जो इस प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम के प्रभाव को रेखांकित करता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, शर्मा ने कहा कि इस योजना ने हजारों परिवारों के बिजली खर्च को काफी कम कर दिया है, साथ ही असम को स्वच्छ ऊर्जा की ओर ले जाने में भी मदद की है। असम के 17.6 प्रतिशत सौर ऊर्जा से चलने वाले घरों ने बिजली का बिल शून्य चुकाया है। यह वह परिवर्तन है जो प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने असम में लाया है, जिसके चलते असम इस योजना को लागू करने वाले देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है, मुख्यमंत्री ने कहा। शर्मा के अनुसार, यह पहल घरों को छतों पर सौर पैनल लगाकर बिजली उत्पन्न करने में -शेष पृष्ठ दो पर

विश्वप्रसिद्ध अंबुवासी मेला समाप्त, आज खुलेगा कपाट

चौथे दिन शाम तक लाखों श्रद्धालुओं ने की आराधना

गुवाहाटी (हि.स.)। नीलाचल पर्वत पर स्थित विश्वप्रसिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या धाम में आयोजित अंबुवासी महायोग के चौथे दिन गुरुवार शाम श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। भीषण गर्मी और उमस के बावजूद देश के विभिन्न राज्यों से आए लाखों श्रद्धालु मां कामाख्या की आराधना के लिए मंदिर की परिक्रमा की प्रतीक्षा में कतारों में खड़े नजर आए। पूरे नीलाचल क्षेत्र में भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। मंदिर परिसर, पहुंच मार्गों तथा आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हुई हैं। कई श्रद्धालु पिछले कई दिनों से मां के दर्शन के लिए इंतजार कर रहे हैं। अंबुवासी महायोग के दौरान मंदिर के कपाट परंपरा के अनुसार बंद रखे गए हैं और अब शुक्रवार को विशेष पूजा-अर्चना के बाद कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। श्रद्धालुओं में मां के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। असम के अलावा पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में भक्त कामाख्या धाम पहुंचे हैं। साधु-संतों और तांत्र साधकों की उपस्थिति ने मेले के आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक विशेष बना दिया है। भीड़ को नियंत्रित करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा -शेष पृष्ठ दो पर

आपातकाल का उद्देश्य था लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रता को कुचलना : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को 1975 में लागू आपातकाल को भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को ध्वस्त करने और नागरिक स्वतंत्रता को कुचलने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास बताया। उस दौर को याद करते हुए उन्होंने उन लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने सत्तावादी उपायों का विरोध किया और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। हमें भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय याद है, जब 1975 में देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रता को कुचलने के प्रयास में -शेष पृष्ठ दो पर

धुबड़ी में नाव पलटी, बाल-बाल बचे करीब 20 स्कूली बच्चे

धुबड़ी। असम के धुबड़ी जिले में गुरुवार को एक बड़ी त्रासदी टल गई, जब लगभग 15 से 20 स्कूली बच्चों और कई स्थानीय निवासियों को ले जा रही एक नाव मेला घाट पहुंचने से ठीक पहले पलट गई। स्थानीय निवासियों ने तुरंत पानी में छलांग लगा दी और कथित तौर पर स्थिति घातक होने से पहले ही नाव पर सवार सभी लोगों को बचा लिया। किसी के हताहत होने या गंभीर रूप से घायल होने की कोई खबर नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाव बाढ़ प्रभावित गांवों से छात्रों को नदी के उस पार धुबड़ी शहर ले जा रही थी, तभी अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और नदी के किनारे से थोड़ी दूरी पर वह पलट गई। इस घटना से दहशत फैल गई क्योंकि स्कूली बच्चों सहित सभी यात्री नदी में गिर गए। यह घटना ऐसे समय में घटी है जब मेला घाट क्षेत्र के बड़े हिस्से मौजूदा बाढ़ के कारण जलमग्न हैं, जिससे निवासियों को दैनिक परिवहन के लिए लगभग पूरी तरह से देसी -शेष पृष्ठ दो पर

रास के 10 नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को राज्यसभा सदन में 10 नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों में प्रवीण चक्रवर्ती, देबाशीष सामंतराय, सना सतीश बाबू, विजय चिंतकायाला, भाष्यम राम कृष्ण, लिंगामनेनी रमेश, राजेश परमानंद शुक्ला, बैद्यनाथ राम, परिमल नथवानी तथा ताई टागक शामिल हैं। इनमें पांच -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल बाढ़ : लापता चार लोगों की तलाश जारी

इटानगर। अधिकारियों ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के केयी पन्योर जिले के पूसा क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद लापता हुए चार लोगों की तलाश और बचाव अभियान गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, अचानक आई बाढ़ के कारण केयी पन्योर जिले के याजाली सर्कल के अंतर्गत पूसा के पास स्थित एनईपीसीओ परियोजना कॉलोनी में पानी भर जाने के बाद शुरू में पांच लोगों के लापता होने की सूचना मिली थी। चल रहे तलाशी अभियान के दौरान, बचाव दल ने बुधवार दोपहर लापता व्यक्तियों में से एक का शव बरामद किया, जिसकी पहचान -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एफआईआर दर्ज

आठ नामजद-बाकी अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

लखनऊ। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की शिकायत पर गुरुवार को अयोध्या की रामजन्मभूमि कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई। इस प्रकरण में यह पहली बड़ी कार्रवाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दर्ज एफआईआर में 8 लोगों के नाम शामिल हैं, जिनपर बीएनएस की धारा 306, 316, 317 और 61 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जिसमें टिन्नू यादव, अनुकल्प मिश्रा समेत आधा दर्जन लोगों पर गबन, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। बताते चलें कि दो दिनों पहले चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट शासन को सौंपी थी, जिसकी संस्तुति और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद यह एफआईआर दर्ज की गई है। मामले को -शेष पृष्ठ दो पर

एसआईआर पहचान के लिए पासपोर्ट मान्य दस्तावेजों में शामिल : ईसी

नई दिल्ली। भारतीय पासपोर्ट को लेकर चल रही देशव्यापी बहस के बीच अब चुनाव आयोग का बड़ा बयान सामने आया है। आयोग ने गुरुवार को साफ किया कि वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने या उसे बरकरार रखने के लिए *भारतीय पासपोर्ट* आज भी पूरी तरह से मान्य है। बता दें कि यह उन 12 जरूरी दस्तावेजों में से एक है, जिसे दिखाकर कोई भी व्यक्ति वोटर लिस्ट में अपनी पात्रता साबित कर सकता है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि पासपोर्ट पहले भी पहचान साबित करने का एक जरिया था और आज भी है। इसके नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बिहार और असम में हाल ही में हुए मतदाता सूची के विशेष सुधार अभियानों में भी पासपोर्ट को मान्य दस्तावेजों की लिस्ट में रखा गया था। भारतीय पासपोर्ट को आम तौर पर देश की नागरिकता का सबसे मजबूत दस्तावेज माना जाता रहा है। इसी के आधार पर कोई व्यक्ति विदेश यात्रा करता है, दूसरे देशों के इमिग्रेशन अधिकारियों के सामने अपनी राष्ट्रीयता बताता है और विदेश में भारतीय दूतावास से कांसुलर सहायता मांगता है। ऐसे में विदेश मंत्रालय का यह कहना कि पासपोर्ट नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है, स्वाभाविक रूप से लोगों को चौंकाता है। सवाल यह है कि यदि पासपोर्ट, आधार, पैन या मतदाता पहचानपत्र भी अकेले नागरिकता साबित नहीं करते, तो एक भारतीय अपनी नागरिकता कैसे सिद्ध करेगा? पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट का मूल उद्देश्य यात्रा को सुगम बनाना है। सरकार के अनुसार यह रुख नया नहीं है। भारतीय कानून में लंबे समय से पासपोर्ट और नागरिकता के बीच अंतर रखा गया है। पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के तहत सामान्य नियम यही है कि भारतीय नागरिक को पासपोर्ट जारी किया जाता है। आवेदन के बाद पासपोर्ट प्राधिकरण पहचान, पते और अन्य तथ्यों की जांच करता है। यदि आवेदक भारतीय नागरिक नहीं है तो पासपोर्ट देने से इन्कार किया जा सकता है। लेकिन इसी कानून -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

श्रीभूमि में 1.10 करोड़ की प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त, तीन गिरफ्तार

श्रीभूमि (हिंस)। असम के श्रीभूमि जिले की पुलिस ने 1.10 करोड़ रुपए मूल्य की प्रतिबंधित फेंसिडिल कफ सिरप पकड़ी है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर श्रीभूमि पुलिस की एक टीम ने जिले के टुकारपार-गिरिगंज क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने एक वाहन को रोककर उसकी जांच की, जिसमें भारी मात्रा में प्रतिबंधित फेंसिडिल कफ सिरप बरामद की गई। पुलिस के अनुसार जब्त की गई खेप का बाजार मूल्य लगभग 1.10 करोड़ रुपए है। मौके से पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अनवर हुसैन, आतिश धर और बाबला दास के रूप में हुई है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यह खेप किसी बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा हो सकती है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि कहीं इस कारोबार से कोई अंतरराज्यीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय गिरोह तो जुड़ा नहीं है।

पश्चिम एशिया के हालात सुधरे, केंद्र ने कमर्शियल एलपीजी की सभी पाबंदियां हटाईं

नई दिल्ली। इंडस्ट्रियल और कमर्शियल एलपीजी ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए, केंद्र सरकार ने गुरुवार को नॉन-डोमेस्टिक पैक्ड एलपीजी की सप्लाई पर लगी सभी सेक्टर-वाइज पाबंदियां हटा दीं और सप्लाई को वेस्ट एशिया संकट से पहले के स्तर पर बहाल कर दिया। इसके अलावा, संकट की शुरुआत में रोकी गई बल्क एलपीजी की सप्लाई में भी ढील दी गई है और इसे संकट से पहले की खपत के स्तर का 50 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे कमर्शियल और इंडस्ट्रियल ग्राहकों को काफी राहत मिली है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि वेस्ट एशिया संकट के दौरान, उसने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आदेश जारी किए थे। इन आदेशों में सी3-सी4 स्ट्रीम्स का इस्तेमाल सिर्फ एलपीजी बनाने के लिए करने को कहा गया था, ताकि उन्हें पेट्रोकेमिकल और दूसरे डाउनस्ट्रीम कामों से हटाकर एलपीजी उत्पादन में लगाया जा सके। देश में एलपीजी के बेहतर उत्पादन और बाहर से आने वाले एलपीजी कार्गो की अनुमानित उपलब्धता को देखते हुए, केंद्र सरकार ने एलपीजी पूल में सी3/सी4 स्ट्रीम के डायवर्जन को कम करने का भी फैसला किया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि नॉन-एलपीजी इस्तेमाल के लिए सी4-सी4 स्ट्रीम का बढ़ा हुआ आवंटन इस तरह लागू किया जाएगा कि घरेलू एलपीजी की उपलब्धता पर कोई असर न पड़े और देश में एलपीजी का कुल उत्पादन हर दिन कम से कम 40 टीएमटी बना रहे। पश्चिम एशिया संकट के दौरान, सरकार ने जरूरी चीजों के कानून के तहत प्रावधान लागू किए थे और निर्देश दिया था कि सी4-सी4 हाइड्रोकार्बन स्ट्रीम का इस्तेमाल सिर्फ एलपीजी बनाने के लिए किया जाए। इस कदम से इन फीडस्टॉक को पेट्रोकेमिकल और दूसरे डाउनस्ट्रीम उद्योगों से हटाकर एलपीजी के घरेलू उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया गया, ताकि देश में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। सप्लाई की स्थिति में सुधार होने के बाद, सरकार ने अब एलपीजी पूल के लिए सी4-सी4 स्ट्रीम के डायवर्जन को कम करने और पेट्रोकेमिकल व अन्य अहम सेक्टरों के लिए इनका आवंटन बढ़ाने का फैसला किया है। मंत्रालय के अनुसार, गैर-एलपीजी इस्तेमाल के लिए सी3-सी4 स्ट्रीम का बढ़ा हुआ आवंटन घरेलू एलपीजी उपलब्धता पर असर डाले बिना लागू किया जाएगा। देश में एलपीजी का उत्पादन कम से कम 40 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) प्रतिदिन बनाए रखा जाएगा।

मोहर्रम के जुलूस में धमाके का प्रदर्शन, 40 फीट ऊपर हवा में वैन को लटकाकर किया ब्लास्ट

उज्जैन (हि.स.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के बढ़नगर में मोहर्रम के जुलूस के दौरान एक वैन को क्रेन से 40 फीट ऊपर लटकर उसमें विस्फोट करने का एक वीडियो सामने आया है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद गुरुवार को पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि क्रेन के द्वारा जमीन से 40 फीट ऊपर टाटा मैजिक वैन लटकाई गई है। हवा में ही वैन में विस्फोट हो जाता है। इसके पूर्व वैन के ऊपर मुंह पर कपड़ा लपेटे एक युवक लाल झंडा लहरा रहा है। एक अन्य युवक भी वैन के ऊपर खड़ा है। घटना 23 जून की रात की बताई जा रही है। बड़नगर के अडान मोहल्ले से निकले जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। इस जुलूस में एक वैन को क्रेन की मदद से करीब 40 फीट ऊंचाई पर लटकाया गया। वैन पर दो युवक खड़े होकर लाल झंडे लहराते रहे। इसके बाद विस्फोट कर वैन को उड़ा दिया गया। जिस वैन में ब्लास्ट किया गया, उस पर *ले फिर आ गए* लिखा था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। एक दिन पहले यानी बुधवार को एक इंस्टाग्राम आईडी *परवेज एडिट्सट्ठ-2.0* पर इस घटना के वीडियो शेयर किए गए थे। वीडियो में कार में विस्फोट के अलावा युवकों के अलग-अलग प्रदर्शन भी दिखाई दे रहे हैं। कुछ वीडियो में अलग-अलग तरह के विस्फोट नजर आते हैं। वहीं, हुसैनी अखाड़ा शाहजलालपुरा के कार्यक्रम में भी एक युवक को लटकाकर कई तरह के प्रदर्शन किए गए। इस तरह की हरकत की हिंदूवादी संगठनों ने निंदा की है। वीडियो वायरल होने के बाद हरिद्वार के संत स्वामी शिवानंद गिरि ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ऐसा लगता है, जैसे संदेश दिया जा रहा हो कि हम काफिरों की गाड़ियों को इसी तरह उड़ा देंगे। वहीं, हिंदू जागरण मंच के रितेश माहेश्वरी ने बताया कि मोहर्रम के जुलूस के दौरान एक बड़ी क्रेन पर एक वैन लटकाई गई थी, जिस पर कई आपत्तिजनक पोस्टर लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि सकल हिंदू समाज की मांग है कि जिला प्रशासन स्पष्ट करे कि इस तरह की गतिविधि की अनुमति दी गई थी या नहीं। इस घटनाक्रम से जुड़े कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर भी अपलोड किए गए हैं।

गौहाटी विवि के ब्रह्मपुत्र अध्ययन केंद्र में *क्लियर* ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी विश्वविद्यालय के ब्रह्मपुत्र अध्ययन केंद्र की पहल पर गुरुवार को *क्लियर* (क्लाइमेट चेंज एजुकेशन फॉर एक्शन एंड रेसिलिएन्स) नामक एक माह के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा सतत विकास के प्रति जागरूकता, ज्ञान और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। ब्रह्मपुत्र अध्ययन केंद्र के निदेशक ध्रुवज्योति सहरिया के नेतृत्व में आयोजित उद्घाटन समारोह में पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पूर्णत: ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को जलवायु परिवर्तन और सतत विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक एवं बहुविषयक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

पारंपरिक धान खेती से उच्च मूल्य वाली बागवानी की ओर बढ़ना होगा : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए राज्य में पारंपरिक धान खेती से उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र विशेष के अनुरूप फसलों के चयन और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर असम की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी जा सकती है। असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में असम कृषि विश्वविद्यालय (एएयू) तथा कृषि विभाग द्वारा आयोजित एक इंटरफेस बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत चाय, मांस, मछली, फल और सब्जियों सहित अनेक कृषि उत्पादों का बड़े पैमाने पर निर्यात करता है, लेकिन इस क्षेत्र में असम का योगदान अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने राज्य को कृषि उत्पादन और निर्यात क्षमता बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने का आह्वान किया। बैठक में कृषि वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, कृषि विज्ञान केंद्रों, नाबार्ड तथा मत्स्य, सिंचाई, पशुपालन, बागवानी और रेशम विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण और विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि असम में लगभग 75 लाख लोग कृषि पर निर्भर हैं, जबकि राज्य की केवल 24 प्रतिशत कृषि भूमि ही सिंचाई सुविधाओं से आच्छादित है। उन्होंने सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर जोर देते हुए अंडा, मछली, पोल्ट्री और पोर्क उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने की आवश्यकता बताई।

ब्रह्मपुत्र में बढ़ते जलस्तर के बीच बरपेटा और धुबड़ी जिले में नाव दुर्घटना ने बढ़ाई चिंता

गुवाहाटी (हिंस)। असम में ब्रह्मपुत्र नद का जलस्तर लगातार बढ़ने के बीच गुरुवार को बरपेटा और धुबड़ी जिलों में नाव दुर्घटनाओं की घटनाओं ने नदी परिवहन सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। बरपेटा जिले के मैरादिया घाट पर एक भीषण नाव दुर्घटना में सामान से लदी एक भुटभुटी नाव ब्रह्मपुत्र नद में डूब गई। बताया गया है कि नद की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण नाव संतुलन खो बैठी और देखते ही देखते जलमग्न हो गई। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि नाव में लदा सामान नद में समा जाने से भारी नुकसान हुआ है। वहीं, धुबड़ी जिले में एक तुलुंगा (बगैर इंजन) नाव के डूबने से अफरा-तफरी मच गई। नाव में लगभग 15 से 20 स्कूली छात्र-छात्राओं समेत कई यात्री सवार थे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ग्रामीणों की त्वरित कार्रवाई के चलते एक बड़ा हादसा टल गया और सभी यात्रियों की जान बच गई। लगातार हो रही इन घटनाओं के बीच प्रशासन ने नदी मार्गों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है।

पृष्ठ एक का शेष

वेनेजुएला में भूकंप से ...

अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहायता पहुंचनी शुरू हो गई है। कतर ने बचाव दल भेज दिए हैं, जबकि मेक्सिको और अल साल्वाडोर से भी राहतकर्मियों के पहुंचने की उम्मीद है। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने मानवीय सहायता भेजने के निर्देश दिए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत वेनेजुएला को हर संभव मदद देने के लिए तैयार है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को कहा कि वेनेजुएला की जरूरत को देखते हुए चीन मदद के लिए जो कुछ भी कर सकेगा, करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका इस आपदा में मदद करने के लिए तैयार और सक्षम है। संयुक्त राष्ट्र के वेनेजुएला मानवाधिकार मिशन ने सरकार से सोशल मीडिया पर लगी स्थानीय पाबंदियां हटाने की अपील की और कहा कि यह *जीवन-मरण का मामला* है। कुछ इलाकों में सोशल मीडिया की सुविधा पहले ही बहाल हो चुकी थी। दूसरी ओर वेनेजुएला के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि कई स्कूलों को राहत सामग्री संग्रह केंद्रों में बदल दिया जाएगा, और सरकारी टेलीविजन ने खबर दी कि अन्य शिक्षण संस्थानों का इस्तेमाल प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी आश्रय स्थलों के तौर पर किया जाएगा। जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, काराकस मेट्रो और काराकस को मिरांडा राज्य से जोड़ने वाली रेलवे लाइन पर भी कुछ समय के लिए सेवाएं रोक दी गई थीं। इस हफ्ते के बाकी दिनों के लिए सभी गैर-जरूरी गतिविधियां भी रोक दी गई हैं।

राज्य के 17 प्रतिशत से ...

सक्षम बनाकर आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा दोनों लाभ प्रदान कर रही है। इस योजना से लाभार्थियों को अपने मासिक बिजली खर्च में काफी कमी लाने में मदद मिली है, और उल्लेखनीय संख्या में परिवारों को बिजली बिल का भुगतान नहीं करना पड़ा है। असम सरकार केंद्र सरकार के समन्वय से छतों पर सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा दे रही है, और पात्र परिवारों को सौर पैनल लगाने और कार्यक्रम के तहत सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है, साथ ही यह राज्य के दीर्घकालिक नवीकरणीय ऊर्जा उद्देश्यों का समर्थन भी करेगी। मुख्यमंत्री की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब असम नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपना विस्तार जारी रखे हुए है और पूरे राज्य में स्वच्छ और किफायती बिजली तक पहुंच में सुधार कर रहा है। शर्मा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के कार्यान्वयन में असम के प्रदर्शन ने इसे इस योजना के तहत देश के अग्रणी राज्यों में स्थान दिया है। केंद्र सरकार द्वारा छतों पर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना, आवासीय सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसका उद्देश्य घरेलू बिजली खर्च को कम करना और सतत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना है। इस योजना का लक्ष्य नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाना और उपभोक्ताओं पर वित्तीय बोझ को कम करना भी है।

विश्वप्रसिद्ध अंबुवासी मेला ...

सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के इंतजाम किए गए हैं। विभिन्न स्वयंसेवी संगठन और सरकारी विभाग भी पेयजल, स्वास्थ्य सेवा तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटे हुए हैं। शुक्रवार को मां कामाख्या मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक वृद्धि होने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रद्धालुओं को विश्वास है कि मां कामाख्या के दर्शन से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी और उन्हें आध्यात्मिक शांति प्राप्त होगी। अंबुवासी महायोग के समापन को लेकर पूरे नीलाचल पर्वत पर भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

आपातकाल का उद्देश्य ...

आपातकाल लगाया गया था। लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी वीर योद्धाओं को मेरा विनम्र नमन, शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा। संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत घोषित आपातकाल 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक लागू रहा। 2025 से, नरेंद्र मोदी सरकार आपातकाल की घोषणा की स्मृति में और तत्कालीन शासन द्वारा किए गए *सत्ता के घोर दुरुपयोग* पर जोर देने के लिए 25 जून को संवैधानिक हत्या दिवस के रूप में मनाती है, जिसके तहत नागरिकों पर अत्याचार और ज्यादतियां की गईं।

धुबड़ी में नाव पलटी...

नावों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। स्कूली बच्चों के लिए, खतरनाक नदी पार करना एक दैनिक आवश्यकता बन गई है क्योंकि बाढ़ के बावजूद शैक्षणिक संस्थान काम करना जारी रखे हुए हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई गांवों के बच्चों के पास कक्षाओं में भाग लेने के लिए हर दिन छोटी देसी नावों से यात्रा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जिससे वे काफी जोखिमों के संपर्क में आते हैं, खासकर मानसून के दौरान जब नदी की धाराएं तेज हो जाती हैं। घटना के प्रत्यक्षदर्शी एक स्थानीय निवासी ने छात्रों के लिए सुरक्षित परिवहन सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बच्चों को हर दिन बाढ़ के पानी से होकर गुजरना पड़ता है क्योंकि उनके पास कोई और विकल्प नहीं है। आज की घटना एक दिल दहला देने वाली त्रासदी में बदल सकती थी। सरकार को तुरंत सुरक्षित नौका सेवा या वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था करनी चाहिए। किसी भी बच्चे को स्कूल जाने के लिए अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। उन्होंने इलाके में पुल बनाने की अपनी लंबे समय से चली आ रही मांग को भी दोहराया और कहा कि बाढ़ के मौसम में देसी नावों पर निर्भरता जीवन और मृत्यु का मामला बन जाती है। शुक्र है आज सभी को बचा लिया गया। लेकिन हम सिर्फ किस्मत के भरोसे नहीं रह सकते। हमें अपने गांवों को जोड़ने के लिए एक पुल की सख्त जरूरत है। हर दिन हमें छोटी-छोटी नावों में नदी पार करनी पड़ती है, और हर सफर खतरनाक लगता है। अगर इससे भी बदतर हालात में कोई और नाव पलट जाए, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं, उन्होंने कहा। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से बाढ़ के मौसम के दौरान छात्रों के लिए सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने और असुरक्षित देसी नावों पर निर्भरता कम करने के लिए पुल के निर्माण सहित स्थायी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने का आग्रह किया है।

रास के 10 नवनिर्वाचित ...

सदस्यों ने हिंदी में, एक सदस्य ने अंग्रेजी में, एक सदस्य ने तमिल में तथा तीन सदस्यों ने तेलुगु में शपथ ली। शपथ लेने वाले सदस्यों में चार सदस्य आंध्र प्रदेश, दो सदस्य झारखंड तथा एक-एक सदस्य तमिलनाडु, गुजरात, अरुणाचल प्रदेश और ओडिशा से हैं। इस अवसर पर कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा के महासचिव पी. सी. मोदी, सदन के अन्य सदस्य, गणमान्य व्यक्ति तथा राज्यसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अरुणाचल बाढ़ : लापता ...

विवेकानंद केंद्र विद्यालय (वीकेवी) में शिक्षिका निर्मला गुप्ता (35) के रूप में हुई। लापता चार व्यक्तियों की पहचान एलेश मारक (13), बलारी मारक (30), ताओ अंजिना (46) और सौरव कुमार (48) के रूप में हुई है। इस आपदा में कम से कम 20 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि लगातार भारी बारिश के कारण निर्माणाधीन दीवार गिर गई, जिससे कॉलोनी और उसके आसपास के निचले आवासीय क्षेत्रों में भीषण जलभराव हो गया। मंगलवार से लगातार हो रही बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ ने केयी पान्योर जिले के याजाली सर्कल को बुरी तरह प्रभावित किया, जिससे लगभग 20 घर और आवासीय इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गईं। राज्य के स्वामित्व वाली नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (निपको) ने बढ़ते जल प्रवाह को देखते हुए एहतियाती उपाय के तौर पर रंगनाडी बांध से पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। जलविद्युत परियोजना में बिजली उत्पादन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। प्रभावित क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ से माल से लदे कुछ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए या उनकी चपेट में आ गए। पर्वतीय अरुणाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण कई जिलों में भूस्खलन, अचानक बाढ़ और घरों तथा बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों और नदी तटों पर रहने वाले निवासियों को सतर्क रहने और अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है। संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को जिले में बाढ़ और भूस्खलन से हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया। अरुणाचल प्रदेश के लोकसभा सांसद ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा कि अरुणाचल प्रदेश के केयी पान्योर जिले में बाढ़ और भूस्खलन से हुई जानमाल की हानि और तबाही से मैं बेहद दुखी हूं। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। हमारे लोगों की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि बचाव, राहत और पुनर्निर्माण के प्रयास जारी हैं और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। इस कठिन घड़ी में हम हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। इस बीच, पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ की खबरों के बाद असम सरकार ने उच्च चेतावनी जारी की है, जिससे राज्य के कई जिलों पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की आशंका है। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी वर्षा और नदी के बढ़ते जल प्रवाह को देखते हुए, अधिकारियों को असम के निचले क्षेत्रों में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों में जल स्तर और प्रवाह वेग में काफी वृद्धि होने की आशंका है। बाढ़ की लहर सबसे पहले धेमाजी, लखीमपुर, विश्वनाथ और शोणितपुर जिलों को प्रभावित करेगी, उसके बाद यह राज्य के अन्य हिस्सों की ओर बढ़ेगी और अगले एक-दो दिनों में अंतत: धुबड़ी तक पहुंच जाएगी। बयान में कहा गया है कि स्थिति पर उच्चतम स्तर पर नजर रखी जा रही है। बयान में आगे कहा गया है कि अरुणाचल प्रदेश के निचले सुबनसिरी और आसपास के इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ की खबरों के बाद असम सरकार घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है, जिससे असम के निचले इलाकों पर भी व्यापक प्रभाव पड़ने की आशंका है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी ...

लेकर राज्य सरकार सख्त कार्रवाई के विचार में है, ऐसे में अगले कुछ दिनों में बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) गुरुवार को भी अयोध्या नहीं पहुंची। हालांकि दिन भर प्रशासनिक और धार्मिक हलकों में एसआईटी के आने को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा। अब संभावना जताई जा रही है कि टीम शुक्रवार को फिर अयोध्या पहुंचकर जांच की अगली कार्रवाई शुरू कर सकती है। सूत्रों के अनुसार एसआईटी की टीम बीते शनिवार की रात अब तक जुटाए गए तथ्यों और प्रारंभिक रिपोर्ट के साथ लखनऊ लौट गई थी। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपे जाने के बाद आगे की जांच की रणनीति तैयार की जा रही है। हालांकि एसआईटी से जुड़े कुछ कर्मचारी और तकनीकी स्टाफ अयोध्या में ही मौजूद हैं तथा आवश्यक दस्तावेजों और सूचनाओं का संकलन जारी है। गुरुवार को पूरे दिन राम जन्मभूमि परिसर, प्रशासनिक कार्यालयों और संत समाज के बीच यह चर्चा बनी रही कि एसआईटी कभी भी अयोध्या पहुंच सकती है। कई लोगों की नजरें संभावित पूछताछ और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी रहीं। आरोप लगाने वाले पक्षों और मामले से जुड़े कुछ लोगों में भी टीम के आगमन को लेकर उत्सुकता देखी गई। जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एसआईटी अब तक प्राप्त शिकायतों, वीडियो साक्ष्यों, दस्तावेजों और दान व्यवस्था से संबंधित अभिलेखों का मिलान कर रही है। इसके बाद जरूरत पड़ने पर आरोप लगाने वालों, गणना प्रक्रिया से जुड़े लोगों तथा अन्य संबंधित पक्षों से दोबारा पूछताछ की जा सकती है। एसआईटी अब जांच के क्रम में राम मंदिर ट्रस्ट के अकाउंट सिस्टम की भी पड़ताल करेगी। राम मंदिर के आय-व्यय का विवरण कितना मौजूद है, यह देखने की कोशिश होगी। साथ ही जमीन खरीद से संबंधित पत्रावलियों व संबंधित लोगों से पूछताछ की जाएगी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को एसआईटी से मिलकर जमीन की खरीद-फरोख्त संबंधी 11 दस्तावेज सौंपे। दावा किया कि इन जमीनों की बिक्री व खरीदारी में करोड़ों रुपए का हेरफेर व घोटाला किया गया। एसआईटी अब दस्तावेजों की तस्दीकर जांच शुरू की है। सांसद ने आरोप लगाया है कि मंदिर के लिए कई जमीनें बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर खरीदी गईं, जिससे चंदे की रकम को भारी नुकसान पहुंचाया गया। एसआईटी अध्यक्ष व लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और सदस्य नील रतन से मिलकर संजय सिंह ने कहा है कि जिन लोगों के नाम हाल ही में मंदिर के चढ़ावे और दानपात्र में अनियमितताओं के मामले में सामने आए हैं, उन्हीं लोगों की भूमिका जमीन खरीद के विवादित सौदों में भी दिखाई दे रही है। उन्होंने दस्तावेज देने के साथ मामले की गहनता से जांच कर कार्रवाई की मांग की। संजय सिंह द्वारा सौंपे गए दस्तावेजों के अनुसार 18 मार्च 2021 को सुल्तान अंसारी और रवि मोहन तिवारी ने कुसुम पाठक और हरीश पाठक से गाटा संख्या 243, 244 और 246 की जमीन दो करोड़ रुपए में खरीदी। आरोप है कि उसी दिन कुछ ही देर बाद यही जमीन ट्रस्ट को 18.5 करोड़ रुपए में बेच दी गई। सांसद का दावा है कि इस एक सौदे में करीब 16.5 करोड़ रुपए का अंतर है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस बैनामे के गवाह तत्कालीन मेयर ऋषिकेश उपाध्याय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा थे।

एसआईआर पहचान के लिए ...

की धारा 20 केंद्र सरकार को असाधारण परिस्थितियों में गैर-नागरिक को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी करने की अनुमति देती है, बशर्ते सरकार इसे जनहित में जरूरी माने। यही अपवाद सरकार के तर्क का आधार है। यानी पासपोर्ट नागरिकता का बहुत महत्वपूर्ण संकेत और व्यवहार में मजबूत दस्तावेज हो सकता है, पर कानून की भाषा में उसे हर विवाद में अंतिम और निर्विवाद प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसका अर्थ यह नहीं कि पासपोर्ट का कोई महत्व नहीं रह जाता। पासपोर्ट बनवाने से पहले सरकारी सत्यापन होता है और विदेश यात्रा के दौरान वह धारक की भारतीय राष्ट्रीयता दर्शाने वाला प्रमुख दस्तावेज ही रहता है। विवाद केवल इतना है कि नागरिकता पर कानूनी चुनौती या जांच होने पर पासपोर्ट अकेले मामले का फैसला नहीं करेगा। न्यायालयों ने कई मामलों में पहचान, निवास और नागरिकता के दस्तावेजों में अंतर किया है। सरकार ने इस बहस में 2013 के बांबे हाई कोर्ट के फैसले का उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया था कि केवल पासपोर्ट होने से भारतीय नागरिकता स्वत: सिद्ध नहीं हो जाती। अदालत का दृष्टिकोण यह रहा है कि पासपोर्ट, जन्म प्रमाणपत्र, आधार या अन्य सरकारी कागजात महत्वपूर्ण साक्ष्य हो सकते हैं, लेकिन नागरिकता का अंतिम निर्णय नागरिकता अधिनियम, 1955 की शर्तों के आधार पर होगा। आधार के मामले में स्थिति और भी स्पष्ट है। आधार अधिनियम में यह प्रविधान है कि आधार संख्या या उसका प्रमाणीकरण अपने-आप नागरिकता अथवा निवास का अधिकार नहीं देता। इसलिए आधार पहचान और सरकारी सेवाओं तक पहुंच का दस्तावेज है, नागरिकता प्रमाणपत्र नहीं। हां। यदि बाद में यह पाया जाए कि पासपोर्ट गलत जानकारी, जाली दस्तावेज या गलत नागरिकता-दावे के आधार पर हासिल किया गया था, तो सरकार उसे रद या जब्त कर सकती है। यही कारण है कि कानून पासपोर्ट को नागरिकता का अपरिवर्तनीय प्रमाणपत्र नहीं मानता। पासपोर्ट जारी होना सरकारी जांच का परिणाम है, लेकिन वह जांच भविष्य में सामने आने वाले विपरीत साक्ष्यों से ऊपर नहीं हो जाती। कानूनी स्थिति और आम समझ के बीच अंतर ही इस विवाद का मूल है। आम नागरिक के लिए पासपोर्ट सबसे विश्वसनीय सरकारी पहचान-पत्रों में है। लेकिन कानून के लिए नागरिकता एक *स्टेटस* है, जो नागरिकता अधिनियम की शर्तों से तय होता है। दस्तावेज उस स्टेटस के साक्ष्य हैं, उसका विकल्प नहीं। यही वजह है कि आलोचक एक व्यावहारिक प्रश्न उठा रहे हैं—जब देश में जन्म से नागरिकों के लिए कोई सार्वभौमिक नागरिकता प्रमाणपत्र नहीं है, तब नागरिकता साबित करने की प्रक्रिया सरल, स्पष्ट और सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए। पासपोर्ट विवाद ने इसी व्यापक कमी को फिर सामने ला दिया है। भारत में नागरिकता संविधान के प्रविधानों और मुख्य रूप से नागरिकता अधिनियम, 1955 से तय होती है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि 1987 के बाद जन्मे हर व्यक्ति के लिए केवल जन्म प्रमाणपत्र नागरिकता का अंतिम प्रमाण है। जन्म प्रमाणपत्र जन्म की तारीख और स्थान साबित करता है, लेकिन संबंधित अवधि के कानून के अनुसार माता-पिता की नागरिकता या उनकी कानूनी स्थिति के दस्तावेज भी जरूरी हो सकते हैं। भारत में जन्म से नागरिकता पाने वाले अधिकांश लोगों को जन्म के साथ कोई अलग *नागरिकता कार्ड* नहीं दिया जाता। इसलिए विवाद की स्थिति में अक्सर एक दस्तावेज नहीं, बल्कि दस्तावेजों का पूरा क्रम देखा जाता है। पंजीकरण या देशीयकरण के जरिए भारतीय नागरिकता पाने वाले व्यक्ति के लिए सरकार द्वारा जारी नागरिकता प्रमाणपत्र सबसे प्रत्यक्ष दस्तावेज होता है। नागरिकता अधिनियम में संदेह की स्थिति में नागरिकता प्रमाणपत्र के लिए भी प्रविधान है।

तारातला गोदाम हादसा में ...

को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। अधिकारियों के अनुसार, 10 लोगों की मौत घटनास्थल पर या हादसे के कुछ समय बाद हो गई थी। गुरुवार को उपचार के दौरान एक अन्य घायल ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद मृतकों की संख्या 11 हो गई। मृतकों में उत्तर 24 परगना के कृष्ण चौधरी, नदिया के रोहित चौधरी, पूर्व बर्दवान के राहुल चौधरी, कृष्णनगर के चंद्रमा चौधरी, श्यामनगर के पप्पू रजक, कोलकाता के खिदिरपुर निवासी अजगर हुसैन, बासंती के साहिल सरदार, बिहार के मुंगेर निवासी घी कुमार, मेटियाब्रुज के हसन इमाम, आसनसोल के नवीन सिंह और उपचार के दौरान जान गंवाने वाले गणेश कालिंदी शामिल हैं। तारातला के बेस ब्रिज के निकट ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर स्थित निर्माणाधीन गोदाम की छत बुधवार दोपहर करीब 12 बजे ढह गई थी। उस समय वहां कई श्रमिक काम कर रहे थे। गुरुवार सुबह मलबे से 5 और लोगों को निकाला गया, जिसके बाद ढही हुई संरचना के नीचे से बाहर निकाले गए लोगों की कुल संख्या 30 हो गई है। बचाव अभियान रातभर जारी रहा और गुरुवार को भी जारी रहा। हालांकि, तेज बारिश के कारण करीब एक घंटे तक राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित रहा। घटनास्थल पर पुलिस, अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और सेना के जवान तैनात रहे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ढहे हुए गोदाम के भवन मानचित्र पर मंत्री और पूर्व मेयर फिरहाद हकीम के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने कहा कि मामले में किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा। इस संबंध में अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, कोलकाता नगर निगम के अभियंताओं से मिली प्रारंभिक जानकारी में गोदाम के स्वीकृत भवन मानचित्र में खामियों की आशंका सामने आई है। इसके बाद उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में स्वीकृत सभी निर्माणाधीन व्यावसायिक परियोजनाओं का काम 31 जुलाई तक स्थगित करने और उनकी व्यापक जांच कराने का निर्देश दिया है। यह गोदाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह के पट्टे वाली भूमि पर बनाया जा रहा था। प्रशासन मृतकों और घायलों की पूरी जानकारी की आधिकारिक पुष्टि करने में जुटा है, जबकि जांच एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन ने हादसे में कोई भूमिका निभाई या नहीं।

उत्तर-पश्चिम, पूर्वोत्तर भारत...

दोपहर-शाम के समय तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दिन दिल्ली में अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान क्रमश: 39-41 डिग्री सेल्सियस और 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 27 और 28 जून को भी यही स्थित रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि राजधानी में आज आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दोपहर-शाम के समय तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान जताया गया था। फिलहाल, राजधानी के निवासियों ने आज के मौसम में गर्माहट महसूस की है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3-4 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम अधिकारियों के पूर्वानुसार, पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश जारी है। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ इस सप्ताह पश्चिमी तट, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल अन्य क्षेत्रों में भी भारी बारिश (7-20 सेमी) होने की संभावना है। वहीं, अगले 3-4 दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में, अगले 2 दिनों में बिहार और झारखंड में लू चलने की संभावना है।

आपातकाल की बरसी पर भाजपा ने मनाया काला दिवस, कांग्रेस पर लोकतंत्र को कुचलने का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश ने 25 जून, 1975 को लगाए गए आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर आज पूरे राज्य में *काला दिवस* मनाया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और कांग्रेस पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने तथा संविधान की भावना के विरुद्ध कार्य करने का आरोप लगाया। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी बयान में कहा कि 1975 का आपातकाल सत्ता में बने रहने के लिए कांग्रेस द्वारा उठाया गया सबसे अलोकतांत्रिक कदम था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलते हुए देश को राजनीतिक अंधकार के दौर में धकेल दिया था। सैकिया ने कहा कि आपातकाल के दौरान न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और स्वतंत्र प्रेस की शक्तियों को सीमित कर दिया गया था। एक लाख से अधिक विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगा दिया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ के अनेक नेताओं, जिनमें अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी भी शामिल थे, को जेल भेजा गया था। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित किए जाने के बाद लोकतांत्रिक परंपरा के अनुसार पद छोड़ने के बजाय उन्होंने देश में आपातकाल लागू कर दिया। सैकिया ने इसे भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय बताया। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम गुवाहाटी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के दामोदर देव सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर आपातकाल के दौरान जेल गए और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले 41 लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी, विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास, मंत्री नीलिमा देवी और कौशिक राय सहित कई वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वक्ताओं ने आपातकाल के दौर को याद करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा के महत्व पर जोर दिया।

डलू नदी में समा गया पुल का बड़ा हिस्सा, संपर्क व्यवस्था प्रभावित

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी जिले में एक भयावह घटना सामने आई है, जहां हाथीचरा और मधुरा को जोड़ने वाले मार्ग पर डलू नदी के ऊपर स्थित पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह नदी में समा गया। इस घटना से क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगातार कटाव और नदी के तेज बहाव के कारण पुल का विशाल भाग ढहकर नदी में गिर गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है, क्योंकि यह मार्ग आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। केवल पुल ही नहीं, बल्कि हाल ही में निर्मित सड़क का भी एक बड़ा हिस्सा नदी में धंस गया है। इससे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और नदी कटाव की गंभीरता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

धेमाजी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे शिक्षा मंत्री, सड़क-तटबंध निर्माण का दिया आश्वासन

धेमाजी (हिंस)। असम सरकार के शिक्षा मंत्री तथा स्थानीय विधायक डॉ. रणोज पेगू ने धेमाजी जिले के धेमाजी राजस्व चक्र अंतर्गत जयरामपुर गांव पंचायत के धर्मपुर क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ एवं कटाव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित लोगों से मुलाकात कर राहत एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मंत्री ने सबसे पहले लालुकीजान धर्मपुर बोड़ो प्राथमिक विद्यालय में स्थापित बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में रह रहे अंजली चापोरी क्षेत्र के प्रभावित लोगों के लिए पर्याप्त शुद्ध पेयजल, खाद्य सामग्री, कीटाणुनाशक पाउडर, टिन के चदरे, दवाइयां तथा अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि, जियाढल नदी की एक धारा धर्मपुर क्षेत्र की ओर बढ़ने से वहां गंभीर कटाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कटाव प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद मंत्री ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि चालू वित्तीय वर्ष में नदी की धारा का अध्ययन कर कटाव रोधी कार्यों के साथ-साथ तटबंध एवं सड़क निर्माण की व्यवस्था की जाएगी। इसके बाद डॉ. पेगू ने कलबारी क्षेत्र के कटाव प्रभावित इलाकों का भी दौरा किया और वीबी-जी-राम-जी योजना के तहत तटबंध तथा कलवर्ट निर्माण के लिए जिला आयुक्त को आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री ने धेमाजी और उत्तर लखीमपुर जिलों के जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को संयुक्त बैठक आयोजित कर दोनों जिलों की बाढ़ समस्या के स्थायी समाधान हेतु समन्वित कार्ययोजना तैयार करने की जिम्मेदारी भी सौंपी। इसी क्रम में उन्होंने लोटाक गांव पंचायत के रतवा, नंबर-1 नपाम, बरदई बागान सहित कई अन्य क्षेत्रों का दौरा कर बाढ़ एवं कटाव की स्थिति का निरीक्षण किया।

अंबुबासी मेले में जीएमसी की पहल : श्रद्धालुओं को निःशुल्क शुद्ध पेयजल, हजारों भक्त लाभान्वित

गुवाहाटी (हिंस)। अंबुबासी मेले के अवसर पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए गुवाहाटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएमसी) ने सराहनीय पहल की है। मेले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर जीएमसी की ओर से निःशुल्क शुद्ध पेयजल के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली है। हर वर्ष की तरह इस बार भी कामाख्या धाम में आयोजित अंबुबासी मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत और तीर्थयात्री पहुंचे हैं। भीषण गर्मी और लंबी यात्रा की थकान के बीच शुद्ध पेयजल की उपलब्धता श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से राहत का कारण बनी हुई है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जीएमसी ने मेला परिसर तथा आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल के पैकेट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। जानकारी के अनुसार, प्रतिदिन हजारों पेयजल पैकेट श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क वितरित किए जा रहे हैं। जीएमसी के कर्मचारी विभिन्न स्थानों पर तैनात रहकर नियमित रूप से जल वितरण का कार्य कर रहे हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को पेयजल के अभाव में कठिनाई का सामना न करना पड़े। मेले में आए श्रद्धालुओं ने इस पहल का स्वागत करते हुए जीएमसी और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि भारी भीड़ और लंबे इंतजार के दौरान शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने से उन्हें काफी सुविधा मिली है। अंबुबासी मेले जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में जनस्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने की दिशा में जीएमसी की यह पहल प्रशंसनीय है।

विकास कार्यों की समीक्षा करने गोलाघाट पहुंचीं अजंता नेउग

गोलाघाट (हिंस)। महिला एवं बाल विकास तथा पर्यटन मंत्री अजंता नेउग ने गुरुवार को गोलाघाट जिले में विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से गोलाघाट मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य तथा दोयांग नदी से प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ एवं कटाव रोकने के उपायों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा। जिला आयुक्त कार्यालय में आयोजित जिला विकास समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने मेडिकल कॉलेज से संबंधित शेष कार्यों, विशेषकर जल निकासी व्यवस्था के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जाना चाहिए, लेकिन गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। पिछले वर्ष गोलाघाट और सरूपथार विधानसभा क्षेत्रों के कई इलाकों में दोयांग नदी के कारण हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए नेउग ने जल संसाधन विभाग को संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ और कटाव रोधी योजनाएं तैयार कर शीघ्र लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही जिले में चोरी की घटनाओं और नशीले पदार्थों के बढ़ते प्रचलन पर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस को सख्त कार्रवाई करने को कहा। आबकारी विभाग को अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सिंचाई, लोक निर्माण (सड़क एवं भवन), वन तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभागों के कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर सरूपथार के विधायक बिश्वजीत फूकन, जिला आयुक्त पुवाली गोहाईं, जिला विकास आयुक्त गुरनेल सिंह तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना के तहत पूर्व पदुमोनी विकास खंड की 89 स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को 10-10 हजार रुपए की वित्तीय सहायता राशि के चेक वितरित किए। लाभार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्वतंत्रता ही महिला सशक्तिकरण की वास्तविक नींव है। आय अर्जित करने की क्षमता महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बनाती है, बल्कि परिवार और समाज में सम्मानजनक स्थान तथा आत्मविश्वास भी प्रदान करती है। मंत्री ने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठाकर उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जुबीन गर्ग के दो पूर्व अंगरक्षकों को नहीं मिली जमानत

गुवाहाटी (हिंस)। प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग के दो पूर्व अंगरक्षक नंदेश्वर बोरा और परेश वैश्य को आय से अधिक संपत्ति मामले में फिलहाल राहत नहीं मिल सकी है। विशेष अदालत ने उनकी जमानत याचिकाओं पर अगली सुनवाई के लिए 23 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। दोनों आरोपितों ने विशेष अदालत में जमानत की मांग की थी। सुनवाई के दौरान उनके अधिवक्ताओं ने अदालत से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया, जिसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को तय की। नंदेश्वर बोरा और परेश वैश्य ने अपनी ओर से अलग-अलग अधिवक्ताओं की नियुक्ति की है। उल्लेखनीय है कि, जुबीन गर्ग के निधन के बाद मुख्यमंत्री सतर्कता (सीएम विजिलेंस) द्वारा दोनों पूर्व अंगरक्षकों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। इधर, सिद्धार्थ शर्मा को भी गुरुवार को न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली। उनके मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

लोक भवन की जनकल्याणकारी योजनाओं की राज्यपाल ने की समीक्षा, पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन पर दिया जोर

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुरुवार को लोक भवन में आयोजित एक समीक्षा बैठक में राज्यभर के लोगों के हित में लोक भवन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं पहलों की प्रगति, प्रभावशीलता और क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने सभी योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया। बैठक के दौरान राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकेंद्रित शासन व्यवस्था तथा अंत्योदय के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर इन योजनाओं की परिकल्पना की गई है, ताकि लाभार्थियों के जीवन में सार्थक और मापनीय सुधार लाया जा सके। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था को हमेशा जनता की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी बनाए रखना आवश्यक है। समीक्षा बैठक में योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन, लक्षित लाभार्थियों तक उनकी पहुंच तथा उनकी प्रभावशीलता बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। राज्यपाल ने अधिकारियों को जन-जागरूकता बढ़ाने, योजनाओं तक लोगों की पहुंच आसान बनाने तथा सभी पहलों की सुदृढ़ निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कल्याणकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अधिक नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों से समावेशी विकास एवं जनकल्याण के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

रंगिया में पिस्तौल दिखाकर महिला से छीनी सोने की चेन

कामरूप (हिंस)। असम के रंगिया नगर में एक बार फिर चेन स्नैचरों का आतंक देखने को मिला है। गुरुवार सुबह ब्रिक फील्ड कॉलोनी क्षेत्र में सुबह की सैर पर निकली एक महिला से दो बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर उसकी सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पखिला कलिता नामक महिला प्रतिदिन की तरह प्रातः भ्रमण के लिए निकली थीं। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात बदमाश उनके पास पहुंचे। बदमाशों ने कथित रूप से पिस्तौल दिखाकर उन्हें धमकाया और उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में क्षेत्र में चेन स्नैचिंग की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, जिससे नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

शिवसागर के जयसागर तालाब में भारतीय वायुसेना ने किया युद्धाभ्यास

शिवसागर (हिंस)। असम के शिवसागर जिले स्थित ऐतिहासिक जयसागर तालाब में गुरुवार को भारतीय वायुसेना ने युद्धाभ्यास किया। इस दौरान वायुसेना के जवानों ने अपनी परिचालन क्षमता और त्वरित तैनाती कौशल का प्रदर्शन किया। करीब आधे घंटे तक चले इस अभ्यास में हेलिकॉप्टरों के माध्यम से विभिन्न सैन्य गतिविधियां संचालित की गईं। युद्धाभ्यास के दौरान पैराट्रूपरों ने आकाश मार्ग से हेलिकॉप्टरों से सीधे जयसागर तालाब में छलांग लगाई, जिससे उपस्थित लोगों में उत्सुकता का माहौल बन गया। यह अभ्यास विशेष परिस्थितियों में हवाई अभियान संचालन और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को परखने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। वायुसेना के जवानों ने सफलतापूर्वक अपने निर्धारित अभियानों का प्रदर्शन किया।

विशेष असम टेट-2026 के मद्देनजर कामरूप जिले में निषेधाज्ञा जारी

अमीनगांव। बोडो, गारो, मणिपुरी और मार माध्यम के निम्न प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की भर्ती के लिए आगामी 28 जून को गुवाहाटी के अमीनगांव स्थित *सरला बिड़ला ज्ञान ज्योति विद्यालय* में आयोजित होने वाली *विशेष असम शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026* को सुचारू, न्यायसंगत और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से कामरूप जिले के जिला मजिस्ट्रेट देव कुमार मिश्रा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की है। यह आदेश परीक्षा केंद्र और उसके आसपास शांति-व्यवस्था बनाए रखने, अनुचित साधनों (नकल आदि) के इस्तेमाल को रोकने और एक सुरक्षित तथा निर्बाध माहौल सुनिश्चित करने के लिए जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों, उनके अधिकृत लेखक (स्क्राइब) और परीक्षा संचालन एवं पर्यवेक्षण (निरीक्षण) के लिए तैनात अधिकारियों के अलावा परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरे में किसी भी अन्य व्यक्ति के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा, परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन (बंद होने पर भी), स्मार्ट वॉच, हेल्थ बैंड, इलेक्ट्रॉनिक पेन या स्कैनर, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, माइक्रोफोन, डेटा स्टोरेज डिवाइस, छपी या लिखित सामग्री तथा अनुचित साधनों के लिए इस्तेमाल की जा सकने वाली कोई भी वस्तु अपने साथ नहीं ले जा सकेंगे। दूसरी ओर, परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरे में किसी भी कोचिंग संस्थान के व्यावसायिक विज्ञापन प्रदर्शित करने या प्रचार संबंधी गतिविधियों पर भी रोक लगा दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए यह आदेश एकतरफा जारी किया गया है। इस आदेश को कड़ाई से लागू करने के लिए कामरूप जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को जिले के सभी थानों और पुलिस चौकियों के प्रभारियों के माध्यम से आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 सहित अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने उक्त परीक्षा को सफल, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए सभी नागरिकों, अभिभावकों और संबंधित पक्षों से पूर्ण सहयोग देने की अपील की है।

निर्जला एकादशी : अभामामस ने मरीजों व राहगीरों को बांटे जूस-बिस्कुट, शिव मंदिर में लगवाया वाटर फिल्टर

रंगिया (विभास)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस) की रंगिया शाखा द्वारा विभिन्न सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शाखा की सदस्यों ने स्थानीय सिविल अस्पताल सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। समिति की सदस्यों ने सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजों, उनके परिजनों, डॉक्टरों, अधिकारियों और कर्मचारियों सहित परिसर में मौजूद सैकड़ों लोगों के बीच ठंडे जूस और बिस्कुट के पैकेट वितरित किए। इस सेवा कार्य के दौरान महकमा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश्वर कलिता और गौरांग मेधि तथा स्वास्थ्य कर्मी अमूल्य वैश्य सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समिति की ओर से सभी अधिकारियों को *फुलाम गामोछा* पहनाकर सम्मानित भी किया गया। अस्पताल के अलावा, शाखा की महिला सदस्यों ने स्थानीय कई मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों का दौरा किया। वहां से गुजरने वाले राहगीरों और श्रद्धालुओं को ठंडा जूस वितरित किया गया। इस दौरान 200 से अधिक लोगों को शीतल पेय पिलाकर गर्मी से राहत दी गई। इसी सेवा क्रम को आगे बढ़ाते हुए समिति द्वारा तीनाली स्थित शिव मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की स्थायी व्यवस्था की गई। संस्था की ओर से मंदिर परिसर में एक वाटर फिल्टर लगवाया गया, जिसे आधिकारिक रूप से मंदिर संचालन समिति के सदस्य की उपस्थिति में मंदिर के पुजारी को सुपुर्द कर दिया गया। इस सेवा कार्य के अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा की अध्यक्ष, सचिव सहित कई महिला सदस्य उपस्थित थीं।

हत्यारोपी बिपुल बोड़ो को जुर्माना समेत उम्रकैद

रंगिया (विभास)। रंगिया के अतिरिक्त सत्र एवं जिला न्यायाधीश की अदालत ने एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए हत्या के मामले में अंतिम फैसला सुना दिया है। न्यायाधीश मुकुल चेतिया की अदालत ने आरोपी बिपुल बोड़ो को दोषी करार देते हुए उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोषी पर 5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मामले के अनुसार, दोषी बिपुल बोड़ो ने भद्रेश्वर राजबंशी नामक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी। पुलिस द्वारा दर्ज केस नंबर 175/17 और भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत हुई गहन जांच और दोनों पक्षों की दलीलों व सबूतों के आधार पर अदालत ने बिपुल बोड़ो को मुख्य अपराधी पाया।

मुनि आनंद कुमार जी *कालू* का भव्य विहार

नगांव (निसं)। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादश अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण जी के विद्वान सुशिष्य मुनि आनंद कुमार जी *कालू* एवं सहवर्ती मुनि विकास कुमार ने आज प्रातः 5 बजे मेडिकल कॉलेज स्थित चैनरूप बैद, के निवास स्थान से विहार प्रारंभ किया। मार्ग में वे कुछ समय के लिए झंकार दुधोड़िया (छापर निवासी, गुवाहाटी प्रवासी) के यहां विराजे, उन्हें मंगल पाठ का श्रवण कराया तथा धर्मप्रेरणा प्रदान की। तत्पश्चात लगभग 14 किलोमीटर का विहार कर दोनों संत दिगंबर जैन मंदिर, जागीरोड पधारे। मुनि के सान्निध्य में आज तेरापंथ युवक परिषद नगांव के पूर्व अध्यक्ष पियूष पुगालिया, नव मनोनीत अध्यक्ष अमित दुगड़, एवं उनकी पुरी टीम द्वारा आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर वर्षों से मुनि की सेवा में सर्मर्पित *कालूराम देवासी* को धर्मसंघ के भजनों एवं ढालों से युक्त एक ब्लूटूथ स्पीकर भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पियूष पुगालिया, एवं अमित दुगड़, ने मुनि श्री के 12 दिवसीय नगांव प्रवास की स्मृतियों को साझा करते हुए आगामी असम यात्रा के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा नगांव के अध्यक्ष विनोद बोथरा, तथा तेरापंथ सभा गुवाहाटी के अध्यक्ष रितेश खाटेड़ ने भी अपने विचार रखे। रितेश खाटेड़, ने मुनि की आगामी यात्रा की जानकारी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रदान की। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में मुनि आनंद कुमार जी *कालू* ने कहा कि आचार्य तुलसी जब भी किसी मंदिर अथवा श्रेष्ठ धार्मिक स्थल पर जाते थे, तब वे कहा करते थे कि *श्री दिगंबर और श्वेतांबर दोनों की आत्मा एक है*। उन्होंने आत्मा में निहित अनंत शक्तियों, चार भावनाओं, सकारात्मक चिंतन तथा आचार्य महाश्रमण जी के त्रिसूत्रीय संदेश-नैतिकता, नशामुक्ति एवं सद्भावना-पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संयम, सेवा, सदाचार, आत्मकल्याण एवं धर्म आराधना से संबंधित अनेक प्रेरणादायी प्रसंगों के माध्यम से जनसमुदाय को धर्ममार्ग पर अग्रसर होने का संदेश दिया।

असम साइंस सोसाइटी की होजाई शाखा को नए उत्साह के साथ पुनर्जीवित किया गया

होजाइ (निसं)। असम साइंस सोसाइटी की होजाई शाखा को 25 जून को नए उत्साह के साथ पुनर्जीवित किया गया, जिसका उद्देश्य जिले में वैज्ञानिक चेतना और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है। इस संदर्भ में रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के सर जेसी बोस कैंपस के रसायन शास्त्र विभाग में आयोजित की गई और इसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सत्याजीत कुमार ने की। अकादमिकों और विज्ञान-प्रेमियों की उपस्थिति में डॉ. सुजीत रंजन आचार्य और डॉ. जयंत कुमार शर्मा को क्रमशः होजाई शाखा का अध्यक्ष और सचिव नियुक्त किया गया। बैठक में सदस्यों ने व्याख्यानों, प्रदर्शनियों, जागरूकता कार्यक्रमों और आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान संचार और सार्वजनिक भागीदारी को मजबूत करने का निर्णय लिया। सदस्यों ने विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाने और युवा मस्तिष्कों में वैज्ञानिक सोच को प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया। विशेष अतिथि के रूप में करिमगंज कॉलेज के सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर एवं असम साइंस सोसाइटी के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. निर्मल सरकार उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. मनबेंद्र दत्ता चौधुरी को सोसाइटी के सलाहकार के रूप में दायित्व दिया गया। पुनरुद्धार होजाई शाखा, होजाई और आसपास के क्षेत्रों में विज्ञान व समुदाय के बीच एक जीवंत मंच बनकर जिज्ञासा, नवाचार और विज्ञान के प्रति व्यापक बढ़ावा देने का लक्ष्य रखी है।

कृषि और रेशम उद्योग में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. जोगेश देउरी को पद्म श्री से सम्मानित

कोकराझाड़ (विभास)। कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार और विशेष रूप से बोड़ोलैंड क्षेत्र में रेशम उद्योग को नई दिशा देने वाले डॉ. जोगेश देउरी को पद्म श्री सम्मान से नवाजा गया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए दिया गया है। डॉ. जोगेश देउरी ने बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन में *एरी सिल्क* के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। उन्होंने *एकीकृत बोड़ोलैंड सिल्क पार्कों* की स्थापना की, जिसने क्षेत्र के रेशम उत्पादन को एक संगठित और व्यावसायिक पहचान दी। व्यापक पहुंचः डॉ. देउरी के प्रयासों से राज्य के 1, 600 से अधिक गांव सीधे तौर पर एरी रेशम उत्पादन से जुड़ सके हैं। उनके इस मॉडल ने हजारों किसानों की आय के स्रोतों को बढ़ाया है, जिससे ग्रामीण परिवारों को आर्थिक आत्मनिर्भरता मिली है। एरी रेशम वैल्यू चेन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर डॉ. देउरी ने विशेष जोर दिया। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं और इस पारंपरिक उद्योग का मुख्य हिस्सा बनी हैं। डॉ. देउरी का मानना है कि कृषि और उससे जुड़े कुटीर उद्योगों का सही तालमेल ही ग्रामीण भारत की असली ताकत है। पद्म श्री सम्मान मिलने पर स्थानीय लोगों और कृषि विशेषज्ञों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. देउरी का कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने न केवल कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार किए, बल्कि जैविक रेशम उत्पादन को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया है। यह सम्मान न केवल डॉ. देउरी की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि बोड़ोलैंड और संपूर्ण पूर्वोत्तर के कृषि क्षेत्र की उस मेहनत का फल है, जिसे उन्होंने वर्षों से अपनी पूरी ईमानदारी से सींचा है।

संपादकीय

और कितने 'लाक्षागृह'

यह अग्निकांड नहीं, हत्याकांड है। यह हादसा या दुर्घटना नहीं, कत्लेआम का बंदोबस्त है। यह आधुनिक दौर का 'लाक्षागृह कांड' है। ऐसी हत्याएं यहीं नहीं रुकेंगी, क्योंकि यह हमारी व्यवस्था की निरंतर नाकामी है। नगर निगम आंख मूंद कर सोया है, निलंबित है, कोई चिंता-सरोकार नहीं है। बिजली विभाग को करंट दो, क्योंकि वह सन्नाटे में बेसुध है। फायर ब्रिगेड के भीतर जान बचाने का जज्बा बुझ चुका है। ये विभाग और बड़े अधिकारी सिर्फ 'चाय-पानी' की प्रतीक्षा में हैं। उनकी औलादें विदेश में या बेहतर व्यवस्था के संस्थानों में कम्प्यूटर पर खेल रही हैं। आग विदेश में भड़कती है, धुआं वहां भी काला और दमघोंटू होता है। 'लाक्षागृह' स्तरीय संस्थानों में भी बनाए जा सकते हैं। एक बार किसी मंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर, सचिव, निदेशक का बच्चा ऐसे 'लाक्षागृह' में फंसना चाहिए, लेकिन उसके दम घुटने अथवा जिंदा जल जाने की कल्पना भी हम नहीं करेंगे। 'लाक्षागृह' लखनऊ में ही नहीं हैं। इसी महीने की शुरुआत में राजधानी दिल्ली के एक 'गेस्ट हाउस' में अग्निकांड हो गया था। 21-22 निर्दोष, अतिथि मारे गए। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार, पालम, द्वारिका आदि में भी कई लोग जिंदा जल कर खाक हो गए। उनकी क्षतिपूर्ति 5-10 लाख रुपए आंकी गई और अध्याय खत्म..! फिर एक और 'लाक्षागृह' का इंतजार...! देश के आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों में 'लाक्षागृह' धू-धू कर जले हैं। कितना होश आया, व्यवस्था बदली या बुलडोजर चलाए गए? देश में और कितने ऐसे 'लाक्षागृह' हैं, कोई नहीं बता सकता। ईश्वर भी असहाय साबित होंगे। जांच के नाम पर कुछ ढोंग किए जाते हैं, कुछ इमारतें सील की जाती हैं, छोटे कर्मचारी निलंबित कर दिए जाते हैं, बस...हो गया न्याय! सरकारें मुआवजे बांटने को लालायित रहती हैं। शायद उनसे भी वोट मिलते होंगे! सरकारें अवैध, अतिक्रमण वाले, असुरक्षित, बिन अग्निशमन सिस्टम के, बड़े-बड़े निर्माणों, इमारतों, होटलों, मॉल, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज की तरफ आंख उठा कर भी नहीं देखतीं, क्योंकि 'चाय-पानी' मिल चुका होता है। हमारी संपूर्ण व्यवस्था ही बेईमान, भ्रष्ट, नालायक और सुनावस्था में है। नतीजतन 'लाक्षागृह' बनते जा रहे हैं। लखनऊ में भी कुछ अधिकारियों को निलंबित करने से कुछ नहीं होगा। जिनके कार्यकाल में ये 'लाक्षागृह' बनाए गए हैं, उन्हें सरकारी सेवाओं से, तुरंत प्रभाव से, बर्खास्त कर देना चाहिए। सरकारें अदालती चुनौतियों को भी झेलें और उन्हें यथार्थ से अवगत कराएं। सरकारों को ऐसा दंडात्मक रुख अख्तियार करना पड़ेगा। 'लाक्षागृह' में आग लगने से 2005-15 में सालाना 17,700 से अधिक मौतें हुई हैं। 2015-24 के दौरान 10,909 मौतें...! अर्थात 25-30 'लाक्षागृह मौतें' हररोज...! कितना खौफनाक, त्रासद आंकड़ा है यह? 2024 की रपट भी सामने है, जिसके मुताबिक उस साल 5971 'लाक्षागृह कांड' हुए, जिनमें 5888 मौतें हुईं। क्या ऐसा देश 'विश्व-गुरु' होने की खुशफहमी भी पालने लायक है? 'स्मार्ट सिटी' बनाने की परियोजना ही बंद कर देनी चाहिए, क्योंकि हम ऐसा ढांचा बनाने में अक्षम हैं। हम चेतना-सोच के स्तर पर 'स्मार्ट' होने से बहुत दूर हैं। क्यों करदाताओं के करोड़ों रुपए 'स्मार्टफहमी' के नाम पर फूंके जा रहे हैं? जिन्हें 'चाय-पानी' की लत परेशान कर रही है, उन्हें सत्ता और प्राधिकरण के दफ्तरों से बाहर कर देना चाहिए। यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री यह काम नहीं कर सकते, तो यह काम भी देश की आक्रोशित जनता कर सकती है। यह लापरवाही, अनदेखी और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है कि 70 फीसदी से अधिक दिल्ली 'लाक्षागृह' की आशंका, अंदेशों के साथ जी रही है। जरा दिल्ली के सदर बाजार, चांदनी चौक, करोल बाग, पहाड़गंज सरीखे बाजारों में घूम कर अनुभव लें। दिल्ली की बड़ी-बड़ी इमारतों के परिसर में जाकर उनकी पुरानी, संकरी व्यवस्था को देख लें, नंगी तारों के झुंड भी जरूर देखना, तो आप एकबारगी सिहर उठेंगे। डर जाएंगे और वहां से एकदम भागना चाहेंगे, क्योंकि वे तमाम 'लाक्षागृह' ही हैं। यह देश की राजधानी का यथार्थ है। हमारी विडंबना और दुर्भाग्य है कि कानून में 'लाक्षागृह कांड' को अपराध अथवा हत्या नहीं, बल्कि दुर्घटना-हादसा माना गया है, नतीजतन अधिकतर आरोपित सालों से जमानत पर घूम रहे हैं। क्या वाकई ये अग्निकांड 'हादसे' ही हैं? इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं और हम कोई सबक नहीं ले रहे हैं।

नगर निगम आंख मूंद कर सोया है, निलंबित है, कोई चिंता-सरोकार नहीं है। बिजली विभाग को करंट दो, क्योंकि वह सन्नाटे में बेसुध है। फायर ब्रिगेड के भीतर जान बचाने का जज्बा बुझ चुका है। ये विभाग और बड़े अधिकारी सिर्फ 'चाय-पानी' की प्रतीक्षा में हैं। उनकी औलादें विदेश में या बेहतर व्यवस्था के संस्थानों में कम्प्यूटर पर खेल रही हैं। आग विदेश में भड़कती है, धुआं वहां भी काला और दमघोंटू होता है। 'लाक्षागृह' स्तरीय संस्थानों में भी बनाए जा सकते हैं। एक बार किसी मंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर, सचिव, निदेशक का बच्चा ऐसे 'लाक्षागृह' में फंसना चाहिए, लेकिन उसके दम घुटने अथवा जिंदा जल जाने की कल्पना भी हम नहीं करेंगे। 'लाक्षागृह' लखनऊ में ही नहीं हैं। इसी महीने की शुरुआत में राजधानी दिल्ली के एक 'गेस्ट हाउस' में अग्निकांड हो गया था। 21-22 निर्दोष, अतिथि मारे गए। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार, पालम, द्वारिका आदि में भी कई लोग जिंदा जल कर खाक हो गए। उनकी क्षतिपूर्ति 5-10 लाख रुपए आंकी गई और अध्याय खत्म..! फिर एक और 'लाक्षागृह' का इंतजार...! देश के आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों में 'लाक्षागृह' धू-धू कर जले हैं।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर विशेष

नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो।

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ''विश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्याः स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधान''। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुनः सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानतः विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ति हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ति प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है। बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों-अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक

पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित 'गोल्डन क्रिसेंट'- अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरुस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। 'नशा मुक्त भारत अभियान' देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, मीडिया और नागरिक समाज को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनना होगा। बच्चों और किशोरों में जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास, नैतिक शिक्षा और तनाव प्रबंधन की संस्कृति विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। खेल, योग, ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियां और सकारात्मक सामाजिक वातावरण युवाओं को नशे की ओर बढ़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। महान दार्शनिकों और आध्यात्मिक चिंतकों ने सदैव संयम को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश भी आत्मसंयम, जागरूकता और सदाचार पर आधारित रहा है। यदि समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित किया जाए तो नशे जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के शिकार व्यक्तियों के प्रति घृणा या बहिष्कार का दृष्टिकोण छोड़कर उन्हें सहानुभूति, उपचार और पुनर्वास के अवसर प्रदान किए जाएं। नशे की जंजीरों को तोड़ने के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, परिवारों और समुदायों को एक साझा मोर्चा बनाना होगा। नशीली दवाओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानव जीवन अनमोल है और उसे नशे के अंधकार में खोने नहीं दिया जा सकता।

देश दुनीया से

92 अरब डॉलर का रक्षा बजट और परमाणु शक्ति का बदलता वैश्विक संतुलन

92 100,000,000 डॉलर। यह वह विशाल धनराशि है जिसे भारत ने केवल एक वर्ष में अपनी सेना और हथियारों पर खर्च कर दिया। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की जून 2026 की वार्षिक रिपोर्ट वैश्विक सुरक्षा की एक बेहद डरावनी तस्वीर पेश करती है। परमाणु-संपन्न देशों ने दुनिया को एक बार फिर बारूद के ढेर पर ला खड़ा किया है। पूरी दुनिया में इस समय 12,187 परमाणु हथियार मौजूद हैं जिसमे से 9745 सेना के पास, 4012 मिसाइल या विमान पर तैनात हैं और 1200 से अधिक तो हाई एलर्ट मोड में हैं। यह संख्या पूरी मानवता को कई बार नष्ट करने के लिए काफी है। शीतयुद्ध के बाद दुनिया अब सबसे खतरनाक और अस्थिर दौर से गुजर रही है। सिपरी एक स्वतंत्र संस्था है जिसकी स्थापना 1966 ई० में स्वीडन के स्टॉकहोम में हुई थी जिसके 60 वर्ष पूरे हो चुके हैं। सिपरी की नवीनतम रिपोर्ट 'सिपरी इयरबुक- 2026' के अनुसार दुनिया भर में शांति और निरस्त्रीकरण के कूटनीतिक प्रयास पूरी तरह विफल हो चुके हैं। विभिन्न देशों के बीच अब आधुनिक हथियारों की एक नई होड़ शुरू हो चुकी है। प्रमुख देश अब अंतरराष्ट्रीय कानूनों के बजाय केवल सैन्य शक्ति और परमाणु प्रतिरोध पर निर्भर हैं। पुराने द्विपक्षीय समझौते अब प्रभावी नहीं रहे। पारंपरिक युद्धों का स्वरूप बदल चुका है। अब युद्ध के मैदान में साइबर ऑपरेशन्स, घातक ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ा है। सिपरी ने सचेत किया है कि इन नई तकनीकों के सैन्य उपयोग से वैश्विक टकराव का जोखिम चरम पर पहुंच गया है। वैश्विक सैन्य खर्च के मामले में सिपरी की रिपोर्ट एक नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज करती है। आर्थिक मंदी के बावजूद दुनिया भर की सरकारों ने अपने रक्षा बजटों में अप्रत्याशित वृद्धि की है। वैश्विक सैन्य खर्च की इस सूची में अमेरिका 954 बिलियन डॉलर के साथ हमेशा की तरह पहले स्थान पर बना हुआ है जो पूरी दुनिया के सम्पूर्ण सैन्य खर्च का एक तिहाई है। दूसरे स्थान पर 336 बिलियन डॉलर के साथ चीन है जो पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य शक्ति का विस्तार कर रहा है। तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः रूस और जर्मनी मौजूद हैं। इस सूची में भारत 92.1 अरब डॉलर के रक्षा खर्च के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश है। पिछले वर्ष की तुलना में भारत के सैन्य बजट में 8.9 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। भारत का यह भारी-भरकम सैन्य खर्च सीमाओं पर जारी गंभीर सुरक्षा चुनौतियों को दर्शाता है। चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती के कारण भारत को अपनी सेना को लगातार आधुनिक बनाना पड़ रहा है। भारतीय रक्षा बजट का एक बड़ा हिस्सा अब घरेलू स्तर पर

हथियारों की खरीद के लिए आरक्षित किया जा रहा है। सरकार का मुख्य लक्ष्य रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके बावजूद वैश्विक हथियारों के हस्तांतरण के आंकड़े अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के एक अलग विरोधाभास को सामने लाते हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण यूक्रेन इस समय वैश्विक हथियारों के आयात में भारत को पीछे छोड़ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है (चुनावी सर्वेक्षण रिपोर्ट वैश्विक हथियारों के कुल आयात में 8.2 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना हुआ है। भारत का अभी भी बड़ा आयातक बने रहना यह साबित करता है कि रक्षा प्रणालियों के स्वदेशीकरण की प्रक्रिया काफी लंबी और जटिल होती है। भारत वर्तमान में लड़ाकू विमानों के कलपुर्जे, मिसाइल डिफेंस सिस्टम और नौसैनिक इंजनों का बड़े पैमाने पर आयात कर रहा है। हालांकि अब भारत के आयात स्रोतों में एक बड़ा रणनीतिक बदलाव आया है। रूस पर भारत की पारंपरिक निर्भरता पहले की तुलना में काफी कम हुई है। अब फ्रांस, अमेरिका और इजरायल जैसे देशों से हथियारों का आयात बढ़ा है। इसके साथ ही भारत का अपना रक्षा निर्यात भी अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। परमाणु शस्त्रागार के मोर्चे पर सिपरी की रिपोर्ट सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करती है। कुल वैश्विक परमाणु हथियारों का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा अकेले रूस और अमेरिका के पास केंद्रित है। इसके बाद चीन का स्थान आता है जो अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार सबसे तेज गति से कर रहा है। सिपरी का अनुमान है कि जनवरी 2026 तक भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़कर 190 हो गई है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 180 थी। इस रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला दावा भारत की परमाणु नीति में आए एक बड़े बदलाव को लेकर है। रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पहली बार शांति काल के दौरान अपने कुछ परमाणु हथियारों को तैनात यानी पूरी तरह सक्रिय स्थिति में रखा है। माना जा रहा है कि ये हथियार भारत की परमाणु-सशस्त्र पनडुब्बियों पर गश्त के दौरान तैनात किए गए हैं। हालांकि भारत सरकार ने इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यदि सिपरी का यह रणनीतिक अनुमान सही है, तो यह चीन के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई की क्षमता को और अधिक मजबूत करने की नीति को दर्शाता है। वैश्विक शांति व्यवस्था के संदर्भ में भी सिपरी ने अपनी एक उप-रिपोर्ट में बेहद चिंताजनक आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। वर्ष 2025 के अंत तक अंतरराष्ट्रीय शांति सैनिकों की कुल संख्या घटकर केवल 79,000 रह गई है जो पिछले 25 वर्षों का सबसे निचला स्तर है।

आप का नजरीया

राष्ट्रीय खेल मंच पर

योग कार्यशाला में उपस्थिति अब राष्ट्र का फिटनेस सूचकांक बता रही है। इसी संदर्भ में हमीरपुर के साई मैदान ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नया सामर्थ्य खोजा, यानी मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय खेल मंच से खेलो इंडिया खेलो का करिश्मा हिमाचल में उतारने का प्रण लिया। हिमाचल में राष्ट्रीय स्तर के खेल उत्सव यदि आयोजित होते हैं, तो इसका सबसे बड़ा लाभ खेल अधोसंरचना को मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल ने कुछ खेलों, खास तौर पर महिला वर्ग में खुद को स्तरोन्नत किया है। ऐसे में खेलो इंडिया खेलो के आयोजन का दावा अगर हिमाचल करता है, तो प्रोत्साहन की खिड़कियां चारों ओर खुलेंगी। हमने इन्हीं कालमों में बार-बार यह मांग उठाई है कि हिमाचल में राष्ट्रीय खेल उत्सव होने चाहिएं। बेशक कुछ राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन होते हैं, लेकिन इस परिपाटी का पदार्पण उच्चकोटि का नहीं बन पाया। धर्मशाला, मंडी तथा सोलन में फुटबाल, हॉकी तथा ठोडो जैसे मुकाबले राष्ट्रीय पहचान का सबब बने हैं, तो धीरे-धीरे निजी प्रयासों से भी खेलों की समय सारिणी बन रही है। बिलासपुर के मोरसिंघी में हैंडबाल की कोचिंग व प्रबंधन के इंतजाम इस कद्र हुए कि राष्ट्रीय टीमों का गठन ही यहां होने लगा है। सबसे ज्यादा सफल आयोजन क्रिकेट एसोसिएशन ने किए, तो धर्मशाला स्टेडियम की चर्चा सारे विश्व में हो गई। इसी तरह वर्तमान सरकार ने नादौन में 150 करोड़ की लागत से उत्कृष्ट खेल परिसर स्थापित करके पूरा माहौल बदल दिया है। पिछले कुछ सालों में धर्मशाला, बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना, शिमला के घटासनी तथा विश्व का सबसे ऊंचा और प्रमुख हाई-अल्टीट्यूड ट्रेनिंग सेंटर शिलारू के अलावा खेल छात्रावासों के बाद, नादौन सेंटर बन कर तैयार हो रहा है। हिमाचल ने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन की पेशकश में पहले ही काफी देर कर दी है, फिर भी अगर खेलो इंडिया खेलो जैसे आयोजन होते हैं, तो ढांचा और ढर्रा पूरी तरह बदल जाएगा। हिमाचल में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से एक साथ कई जगह खेल ढांचा विकसित होगा। मसलन अगर प्रमुख आयोजन धर्मशाला में करते हुए, खेलों के हिसाब से ऊना, हमीरपुर, नादौन, मंडी, सोलन, पालमपुर, कुल्लू व पौंग डैम में आयोजन कराए जाएं, तो हिमाचल का खेल कारवां आगे चलकर पूरे वातावरण को सशक्त करेगा। हिमाचल में साइकिलिंग, रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, केनोइंग, स्कीइंग तथा शूटिंग जैसे विषय अगर रेखांकित होते हैं, तो यह प्रदेश विभिन्न विश्वविद्यालयों, खेल तथा शिक्षण संस्थानों के समर कैंप्स की उत्तम स्थली साबित होगा। विडंबना यह है कि पूरे प्रदेश में घोषणाओं के बावजूद आजतक कोई खेल संस्थान, खेल प्राधिकरण या खेल अकादमियां विकसित नहीं हुईं। प्रमुख खेल छात्रावासों व साई केंद्रों के साथ ही कुछ स्कूल-कालेजों में स्पोर्ट्स विंग्ज स्थापित कर दें, तो खिलाड़ियों के लिए ये प्रेरणा-प्रोत्साहन स्थल साबित होंगे। प्रदेश सरकार अपने तौर पर खेल पुरस्कारों और शीतकालीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को तीन से बढ़ा कर पांच करोड़ की पुरस्कार राशि घोषित कर रही है, जबकि एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता को 50 लाख से बढ़ाकर चार करोड़ और राष्ट्रमंडल एवं पैरा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल करने वालों को तीन करोड़ की राशि मिलेगी। ऐसे में हिमाचल में खेल टेलेंट खोज को आगे बढ़ाने के लिए स्कूल व ग्रामीण खेलों के स्तर पर काफी मेहनत करने की जरूरत है।

हिमाचल में राष्ट्रीय स्तर के खेल उत्सव यदि आयोजित होते हैं, तो इसका सबसे बड़ा लाभ खेल अधोसंरचना को मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल ने कुछ खेलों, खास तौर पर महिला वर्ग में खुद को स्तरोन्नत किया है। ऐसे में खेलो इंडिया खेलो के आयोजन का दावा अगर हिमाचल करता है, तो प्रोत्साहन की खिड़कियां चारों ओर खुलेंगी। हमने इन्हीं कालमों में बार-बार यह मांग उठाई है कि हिमाचल में राष्ट्रीय खेल उत्सव होने चाहिएं। बेशक कुछ राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन होते हैं, लेकिन इस परिपाटी का पदार्पण उच्चकोटि का नहीं बन पाया। धर्मशाला, मंडी तथा सोलन में फुटबाल, हॉकी तथा ठोडो जैसे मुकाबले राष्ट्रीय पहचान का सबब बने हैं, तो धीरे-धीरे निजी प्रयासों से भी खेलों की समय सारिणी बन रही है। बिलासपुर के मोरसिंघी में हैंडबाल की कोचिंग व प्रबंधन के इंतजाम इस कद्र हुए कि राष्ट्रीय टीमों का गठन ही यहां होने लगा है। सबसे ज्यादा सफल आयोजन क्रिकेट एसोसिएशन ने किए, तो धर्मशाला स्टेडियम की चर्चा सारे विश्व में हो गई। इसी तरह वर्तमान सरकार ने नादौन में 150 करोड़ की लागत से उत्कृष्ट खेल परिसर स्थापित करके पूरा माहौल बदल दिया है। पिछले कुछ सालों में धर्मशाला, बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना, शिमला के घटासनी तथा विश्व का सबसे ऊंचा और प्रमुख हाई-अल्टीट्यूड ट्रेनिंग सेंटर शिलारू के अलावा खेल छात्रावासों के बाद, नादौन सेंटर बन कर तैयार हो रहा है।

कुछ अलग

कतार में पीछे छूटा आदमी

यहां जो लोग हमें मिलते हैं, उनकी निपुणता अपना प्रशस्ति गायन स्वयं करने में होती है। अपने मुंह मियां मि_ बनना इसतरो पुरानी कहावत हो गई है कि अब तो बच्चे भी इसे नहीं दोहराते। हमें लगता है कि अपना प्रशस्ति गायन करना और करते रहना अब एक ऐसी कला में बदल गया है, कि ये लोग अपनी शान में कसीदे पढ़ते हुए तनिक भी नहीं झिझकते, और फिर उम्र भर यही विश्वास जीते चले जाते हैं, कि ये सब गुण उनमें सदा से थे, आपको ही नजर नहीं आए। यह बात केवल एक व्यक्ति के लिए ही नहीं, पूरे देश पर लागू हो रही है। हम अपने देश को सबसे बड़ा गणतंत्र बताते हुए तनिक भी नहीं झिझकते। दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र, लेकिन यह सबसे उत्तम भी है क्या? इसका उत्तर इसका कोई पैरोकार नहीं देता। कभी अठहत्तर वर्ष पहले जब इस देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना का संविधान घोषित हुआ था, तब सबको विश्वास था कि जनाब इतना प्राचीन और पवित्र देश है कि आज भी इस देश में वैदिक ऋचाएं गूंजती रहती हैं। नैतिक मूल्यों का वर्चस्व है। देश आजाद हो गया है। अब तो राजमुकुट एक साधारण से साधारण आदमी भी पहन सकेगा। जनता का राज आ गया है। अब एक किसान और मजूर का बेटा भी सत्तारूढ़ होकर सबके भले के लिए सोच सकेगा। विशेषकर अपनी उन कठिनाइयों का समाधान अवश्य कर लेगा, जो सदियों से यहां लम्बित हैं, और जिनका समाधान न होने का धीरज हम सब ने अब पैदा कर लिया है। लीजिए साढ़े तीन चौथाई सदी गुजर गई। हम लोग मेलों ठेलों में यकीन करते हैं न, इसलिए इस आजादी को अमृत काल कह उसका महोत्सव भी हमने मना लिया। बोलने की आजादी मिल गई है।

दृष्टि कोण

आपातकाल के स्याह दिनों को याद करना जरूरी

25 जून 1975 की रात 11 बजकर 45 मिनट पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इमरजेंसी के अध्यादेश पर दस्तखत किए। इसी के साथ नागरिक अधिकार, स्वतंत्र विचरण, असहमति-विरोध के अधिकार, मुक्त लेखन आदि के दरवाजे बंद कर दिए गए। 26 जून की सुबह तानाशाही अमावस्या की काली अंधेरी रात की तरह छा चुकी थी। लगभग सभी प्रमुख नेता एवं लाखों कार्यकर्ता बिना कारण बताए जेल में डाल दिए गए। कई स्थानों पर पुलिस की ज्यादती देखने को मिली। उन दिनों लोकतंत्र की रक्षा करने लायक कोई संस्था नहीं बची। आपातकाल का विरोध करने वाले मीडिया का दमन किया गया। न्यायपालिका सत्ताधारी दल को नाखुश करने में संकोच करती दिखी। नौकरशाहों की चापलूसी के चलते प्रशासनिक संस्थाएं पंगु सी हो गईं। उन दिनों स्थिति यह थी कि इंदिरा गांधी के करीबियों को छोड़कर अन्य सभी संदेह के घेरे में थे। देश में आपातकाल लगाया गया तो उसके पीछे संजय गांधी की अहम भूमिका रही। संजय गांधी ने अपनी युवा नेताओं की टीम के साथ आपातकाल के दौरान काफी जुल्म किए थे। संजय गांधी ने अपने करीबियों के साथ मिलकर आपातकाल में नसबंदी, दिल्ली के सौंदर्यीकरण के लिए जबरन झुग्गियों को उजाड़े जाने जैसे कई फैसले लिए, जिसकी वजह से भारत के आपातकाल को देश का सबसे काला दिन कहा जाता है। उस दौर में इमरजेंसी का विरोध करने की सजा जेल होती थी और इस दौरान 21 महीने में 11 लाख लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में भेजा गया। इस दौरान लोगों ने शासन का क्रूर चेहरा देखा था, जिसमें जनता नहीं शासन और उसके आका सर्वशक्तिमान बन बैठे थे। लोक पीछे छूट गया था और तंत्र सर्वोपरि हो गया था। कहा जाता है कि उस दौर में देश प्रधानमंत्री कार्यालय से नहीं बल्कि प्रधानमंत्री आवास से चलता था, जहां संजय गांधी रहते थे। विपक्ष की आवाज को दबाने के बाद इंदिरा गांधी ने संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल पर भी रोक लगा दी। आपको बता दें कि संसद के दोनों सदन यानी लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही के पहला घंटे में संसद सदस्य कोई भी प्रश्न पूछ सकते हैं। इसे प्रश्नकाल बोलते हैं। लेकिन इंदिरा गांधी को उस दौर में प्रश्न पूछना भी बर्दाश्त नहीं था।

इंदिरा गांधी के इस फैसले पर तब के लोकसभा अध्यक्ष जीएस ढिल्लों आंखें बंद किए रहे। इसके बाद इंदिरा गांधी ने संविधान में अपने हिसाब से संशोधन करने शुरू किए। इंदिरा गांधी के आपातकाल के फैसले के खिलाफ कई लोगों ने कोर्ट में अपील की। तो 22 जुलाई 1975 को इंदिरा गांधी ने संविधान में संशोधन कर न्यायपालिका यानी कोर्ट से आपातकाल के फैसले पर सुनवाई का अधिकार ही छीन लिया। इसे 38वां संशोधन कहा जाता है। इसके बाद 39वां संविधान संशोधन कर कोर्ट से प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त व्यक्ति के चुनाव की जांच करने का अधिकार ही छीन लिया गया। यानी इंदिरा गांधी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट अब चुनाव में धांधली के मामले की सुनवाई कर ही नहीं सकता था। इमरजेंसी में अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया था। सरकार अपने खिलाफ कोई भी आवाज नहीं सुनना चाहती थी। अब हम आपको बताते हैं कि किस तरह इमरजेंसी के रोड-रोलर से प्रेस की आजादी को कुचला गया। 25 जून 1975 की आधी रात को इमरजेंसी लगाई गई और अखबारों के दफ्तरों में उसी रात को पावर सप्लाई जानबूझकर काट दी गई ताकि ज्यादातर अखबार अगले दिन आपातकाल का समाचार ना छाप सकें। अखबारों के दफ्तरों को दो दिन बाद पावर सप्लाई की गई। संजय गांधी ने इमरजेंसी के दो दिन बाद ही सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंद्र कुमार गुजराल को हटाकर अपने करीबी विद्याचरण शुक्ल को मंत्री बना दिया और विद्याचरण शुक्ल के जरिए सरकार ने मीडिया पर मनमानी की। कड़ी सेंसरशिप की वजह से कई अखबारों का प्रकाशन बंद हो गया। पत्रकारों के लिए सरकार ने कोड ऑफ कंडक्ट बना दिया। अखबारों के बोर्ड में सरकारी अफसर बैठा दिए गए।

आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात था : जेपी नड्डा

पटना (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से गुरुवार को पटना के ज्ञान भवन में आयोजित *संविधान हत्या दिवस* कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर बताया। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक स्वतंत्रताओं और संवैधानिक व्यवस्था पर गंभीर आघात था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि उस अवधि में लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सीमित कर दिया गया था। आज देशभर में संविधान हत्या दिवस मनाया जा रहा है, लेकिन बिहार और विशेष रूप से पटना का इस दिन से ऐतिहासिक और भावनात्मक संबंध है। उन्होंने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा शुरू किए गए आंदोलन की नींव बिहार की धरती पर पड़ी थी और उसी आंदोलन ने देश में लोकतांत्रिक चेतना को नई दिशा प्रदान दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 5 जून 1974 को जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था। उस समय वह स्वयं मैट्रिक के छात्र थे और आंदोलन के प्रत्यक्ष साक्षी रहे। उन दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालीन गफूर सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर राज्यपाल आरडी भंडारे को ज्ञापन सौंपने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे और उन्हें भी उस लोकतांत्रिक संघर्ष में शामिल होने का अवसर मिला था। वह आंदोलन केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का आंदोलन था। नड्डा ने कहा कि जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन ने पूरे देश में लोकतंत्र, पारदर्शिता और जनभागीदारी की नई चेतना का संचार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के बढ़ते प्रभाव से घबराकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दिया। इसके बाद विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और लोकतंत्र समर्थकों पर व्यापक कार्रवाई की गई। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि आपातकाल के दौरान एक लाख 31 हजार से अधिक लोगों को विभिन्न कारणों से जेलों में बंद किया गया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए, समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू की गई और विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास किया गया। उनके अनुसार, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत कठिन और चिंताजनक कालखंड था। जेपी नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि जनता की आवाज सुनने, विपक्ष का सम्मान करने और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखने से होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति का सम्मान और नागरिक अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। नड्डा ने वर्तमान केंद्र सरकार की कार्यशैली का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश के सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर और कुछ समय के लिए मणिपुर जैसी विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अन्य राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी, जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और जनता के जनादेश के प्रति सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज जो दल इंडी गठबंधन के रूप में एक मंच पर दिखाई दे रहे हैं, उनका लोकतंत्र के प्रति दृष्टिकोण देश आपातकाल के दौरान देख चुका है। उन्होंने कहा कि आपातकाल का इतिहास लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रताओं के महत्व की याद दिलाता है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण सीख है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान हत्या दिवस मनाने का उद्देश्य केवल इतिहास को स्मरण करना नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों को जागरूक करना भी है। उन्होंने युवाओं से संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और नागरिक अधिकारों के महत्व को समझने तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नेताओं, कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र सेनानियों ने संविधान की गरिमा बनाए रखने, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने और लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, लोकतंत्र सेनानी तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विवादित वीडियो पर भगवंत मान का दावा मास्क पहनकर बनाया गया फर्जी वीडियो

मुख्यमंत्री ने जगमन समरा का हाथ में मास्क लिए वीडियो किया जारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विवादित वीडियो के संबंध मेंन दावा किया है कि एक साजिश के तहत किसी व्यक्ति को मास्क पहनाकर यह वीडियो शूट किया गया है। इस साजिश में कनाडा निवासी जगमन समरा की भूमिका अहम है। गुरुवार को पंजाब के मोहाली में भगवंत मान ने इस संबंध में डिजिटल सबूत पेश करते हुए दावा किया कि यह वीडियो भी अकाल तख्त साहिब को जांच के लिए भेजा जाएगा। उल्लेखनीय है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वह होटल के कमरे में शराब के नशे में गुरु साहिबानों की फोटो के साथ कथित तौर पर अभद्रता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो की एफएसएल जांच के आधार पर अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह ग ?गज ने भगवंत मान तथा उनकी कैबिनेट में शामिल सिख मंत्री तथा विधायकों को 29 जून को तलब किया है। इस बीच पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने वायरल वीडियो की अकाल तख्त साहिब द्वारा जारी रिपोर्ट को झूठा करार देने वाली एक और लैब रिपोर्ट जारी की थी। जिसके बाद हरियाणा के गुरुग्राम की पुलिस ने दो व्यक्तियों को फर्जी लैब रिपोर्ट तैयार करने के आरोप में गिरफ्तार कर रखा है। इस बीच भगवंत मान ने आज एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि जो व्यक्ति वीडियो में दिखा गया है वह उनकी शक्ल का मास्क पहने कोई बहरूपिया है। वीठुडियो में दिख रहे व्यक्ति के गले पर निशान नही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका ऑपरेशन के कारण गले पर निशान है। वीडियो वाले व्यक्ति के गले पर किसी तरह का निशान नहीं है। वीडियो में दिखाया गया कि व्यक्ति ने मास्क पहना हुआ है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उनके यह वीडियो जारी करने वाले कनाडा में रहने वाले जगमन समरा का एक वीडियो जारी किया जिसमें वह मुख्यमंत्री की शक्ल से मिलता जुलता मास्क अपने हाथ में पहने हुए है। समरा कार में बैठकर वह मास्क दिखाता है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जगमन समरा ने यह मास्क बनवाकर एक ही दिन में वीडियो को शूट किया। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि वह 2016 के बाद कभी भी कनाडा नहीं गए हैं। समरा उन्हें पंजाब पीपुल्स पार्टी में रहते हुए मिला था। वह मूल रूप से पंजाब के संगरूर जिला का रहने वाला है तथा यहां से भगौड़ा हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस वीडियो को अकाल तख्त साहिब को भेजेंगे जिसमें समरा उनकी शक्ल का मास्क हाथ में लिए हुए है। इस वीडियो की भी जांच करवानी जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनके वायरल वीडियो में होटल का कमरा दिखाई दे रहा है। होटल के कमरे में गुरू साहिबानों की तस्वीरें नहीं होती है। यह वीडियो पूरी तरह से फेक है।

राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल का 10वीं-12वीं परीक्षा परिणाम जारी, शिक्षामंत्री ने टॉपर्स को दी बधाई

जयपुर (हिंस)। राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल (आरएसओएस) ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की ऑन डिमांड (मार्च-मई 2026) परीक्षा का परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिया। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने जयपुर स्थित आरएसओएस के माधव सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्ट्रीम-1 एवं पूरक परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम जारी किया। परिणाम घोषित होने के बाद शिक्षामंत्री ने कक्षा 12वीं में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले झुंझुनूं के करण चनेजा तथा कक्षा 10वीं में प्रथम स्थान हासिल करने वाली सोनू रेगर को फोन कर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। आरएसओएस प्रशासन ने बताया कि राज्य स्तर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को 21 हजार रुपए तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 11 हजार रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा जिला स्तर पर प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को 5100 रुपए की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में आरएसओएस निदेशक महेंद्र कुमार खींची, विशेषाधिकारी बी.के. गुप्ता, सचिव डॉ. अरूणा शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। विद्यार्थी अपना परीक्षा परिणाम आरएसओएस पोर्टल पर ऑनलाइन देख सकते हैं। छात्र-छात्राओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और उनकी जिज्ञासाओं के निराकरण के लिए राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल जल्द ही एक विशेष व्हाट्सएप नंबर जारी करेगा। इस सुविधा के माध्यम से विद्यार्थी परीक्षा, प्रवेश, आवेदन पत्रों में त्रुटि, आवेदन निरस्तीकरण सहित विभिन्न विषयों पर सीधे जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। विभाग का मानना है कि इससे विद्यार्थियों को समय पर और सरल तरीके से सहायता उपलब्ध हो सकेगी। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक आधारित सुविधाओं को बढ़ावा दे रही है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी बेहतर और सुलभ सेवाएं मिल सकें।

अपनी मांगों को लेकर अतिथि शिक्षकों ने थाली चम्मच के साथ किया प्रदर्शन

भागलपुर (हिंस)। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन परिसर में गुरुवार को अतिथि शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर थाली चम्मच बजाकर जमकर प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि तिलकामांझी विश्वविद्यालय अतिथि शिक्षकों का आज धरना का सातवां दिन है। अतिथि शिक्षकों की मांग है कि हम सभी विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षक तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय अन्तर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में ग्यारह महीने तक काम किया है। लेकिन अभी तक करीब 70 अतिथि शिक्षकों का भुगतान नहीं किया गया है, और भुगतान के पहले हम सभी अतिथि शिक्षकों को सेवा का विस्तार नहीं कर महाविद्यालय के सेवा से हटा दिया गया है। जिसको ले कर हमलोग आज विगत सात दिनों से अपनी मांगों को लेकर लगातार धरना पर बैठे हैं।

डीएलएफ में तोड़फोड़ को लेकर महापंचायत, बुलडोजर नहीं समाधान की मांग

गुरुग्राम (हिंस)। गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-1 से 5 में अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों पर डीटीपी विभाग की कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को लोगों ने महापंचायत कर विरोध जताया। लोगों ने सरकार से मांग की कि उन्हें बुल्डोजर नहीं समाधान चाहिए। डीएलएफ फेज-3 में आयोजित महापंचायत में लोगों ने एक स्वर में कहा कि प्रशासन बुलडोजर की बजाय कोई ठोस समाधान निकाले। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भी मदद की गुहार लगाई। स्थानीय निवासी ईश्वर यादव ने महापंचायत में कहा कि हाईकोर्ट के आदेशों की आड़ में डीटीपी विभाग शक्तियों का दुरुपयोग कर रहा है और यह कार्रवाई पूरी तरह गलत है। प्रदर्शनकारियों ने डीएलएफ साइबर सिटी की ऊंची इमारतों के पास नारेबाजी करते हुए कहा कि बड़े बिल्डर नियम अपने हिसाब से बनवा लेते हैं, जबकि पीजी, शॉप और ऑफिस चलाने वालों को अवैध बताया जा रहा है। उनका कहना है कि इनसे हजारों लोगों को रोजगार मिला है और कॉर्पोरेट कर्मचारियों को कम बजट में रहने की सुविधा मिलती है। बुधवार को डीटीपी विभाग ने डीएलएफ इलाके में सेंकड़ों घरों और पीजी-गेस्ट हाउसों पर चेतावनी पोस्टर चिपकाए थे। इसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ गया। स्थानीय लोगों ने महापंचायत के लिए जारी पोस्टर में लिखा कि सरकार से बैर नहीं, लेकिन बच्चों का अपमान हुआ तो खैर नहीं। लोगों का आरोप है कि प्रशासन बिना वैकल्पिक व्यवस्था के अचानक घरों पर कार्रवाई कर रहा है, जिससे मकान मालिकों को आर्थिक नुकसान और परिवारों में दहशत का माहौल है। बढ़ते विरोध को देखते हुए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने डीएलएफ फेज-1 से 5 में अवैध पीजी, गेस्ट हाउस, होटल, हॉस्टल, को-लिविंग और व्यावसायिक कार्यालय बंद करने के लिए 30 जून तक का समय दिया है। विभाग ने साफ कहा है कि तय तारीख तक गतिविधियां बंद न होने पर एक जुलाई से फिर सीलिंग और तोड़फोड़ अभियान शुरू होगा। विभाग के अनुसार यह मोहलत साइबर सिटी में काम करने वाले हजारों युवाओं की परेशानी को देखते हुए दी गई है। पिछली कार्रवाई में कई युवाओं का सामान और दस्तावेज कमरों में ही सील हो गए थे और उन्हें रातें सड़कों पर गुजारनी पड़ी थीं।

लोकतंत्र सेनानियों को प्रतिवर्ष 5 लाख की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा जल्द : योगी

लोकतंत्र सेनानियों का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ कराने की बनेगी व्यवस्था

लखनऊ (हिंस)। आपातकाल की 51वीं बरसी *संविधान हत्या दिवस* के अवसर पर लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र को बचाने वाले लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश सरकार लोकतंत्र सेनानियों के लिए जल्द ही 5 लाख रुपए प्रतिवर्ष कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के स्वस्थ व दीर्घायु होने की कामना करते हुए कहा कि उनका अंतिम संस्कार भी राजकीय सम्मान के साथ किए जाने की व्यवस्था बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करते हुए गौरव की अनुभूति हुई। उनकी अपनी पीड़ा है। उन्होंने लोकतंत्र को बचाने के लिए जेल की यातनाएं सहीं। इसलिए प्रदेश में जब लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित सरकार आई तो लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान के लिए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। प्रदेश में 3, 780 लोकतंत्र सेनानी तथा 1, 461 उनके आश्रित हैं। सरकार वर्ष 2018 से लोकतंत्र सेनानियों व मरणोपरांत उनके आश्रितों को प्रत्येक माह 20 हजार रुपए की सम्मान राशि दे रही है। साथ ही लोकतंत्र सेनानी या उनके उत्तराधिकारी (पति अथवा पत्नी) को एक सहायक के साथ पूरे प्रदेश में परिवहन निगम की सभी श्रेणी की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। लोकतंत्र सेनानियों को राजकीय चिकित्सालयों में निःशुल्क चिकित्सा भी उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब सरकार लोकतंत्र सेनानियों को कैशलेस 5 लाख रुपए प्रतिवर्ष स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध कराने जा रही है। इसके साथ ही लोकतंत्र सेनानी के दिवंगत होने पर उनका अंतिम संस्कार भी राजकीय सम्मान के साथ किए जाने की व्यवस्था सरकार द्वारा बनाई जा रही है। आने वाली पीढ़ी हमेशा इस बात को ध्यान में रखेगी कि जो भी देश व लोकतंत्र के हित में काम करेगा, सरकारें उन्हें सम्मानित करेंगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया। इसमें 6 महीने तक जेल में यातनाएं झेलने वाले लोकतंत्र सेनानी भारत दीक्षित, गया प्रसाद सोनकर, राम सिंह कुशवाहा (हरदोई), विद्या राम वर्मा (हरदोई), अजय सिंह (बाराबंकी) व ओम प्रकाश गुप्ता (सीतापुर) शामिल रहे। इस दौरान लोकतंत्र सेनानी भारत दीक्षित ने बताया कि आपातकाल लगाने का कोई कारण नहीं था। कांग्रेस बस किसी भी तरह सत्ता में रहना चाहती थी। आपातकाल के दौरान हमारी गिरफ्तारी के समय कपड़े फाड़ दिए गए। हम लोगों ने इसके बाद भी सत्याग्रह में भाग लिया, तब बहुत ज्यादा अत्याचार किए गए। लोकतंत्र सेनानी विद्या राम वर्मा ने बताया कि इतने साल बीत जाने के बाद भी आपातकाल के बारे में सोचता हूं तो मन भावुक हो जाता है। सीपीआई को छोड़कर बाकी सभी दलों के साथ अत्याचार किया गया। मेरा घर रात में घेरा गया, जैसे किसी डकैत को पकड़ने आए हों। जेल में कैदियों के नाखून उखाड़े गए और जबरन नसबंदी की गई। उस समय की सरकार ने कैसे अत्याचार किए आज कोई अहसास भी नहीं कर सकता।

अंकित सोनी सुसाइड प्रकरण : आरोपी युवती पर ढाई हजार रुपए का इनाम घोषित

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में चर्चा में रहे अंकित सोनी सुसाइड मामले में आरोपी युवती के खिलाफ अब पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए ढाई हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है। हालांकि पहले गिरफ्तारी को लेकर युवती की ओर से राजस्थान उच्च न्यायालय से राहत मिली थी लेकिन उसके बावजूद युवती ने सरेंडर नहीं किया है। अब जिला पुलिस अधीक्षक ने 5 जून को राजस्थान पुलिस नियम की धारा 4.18 के तहत युवती खुशबू पुत्री गोपाल गदिया के विरुद्ध ढाई हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है। यह मामला 3 नवम्बर 2025 को बीएनएस की धारा 108 के तहत बस्सी थाने में दर्ज किया गया था। इस मामले को लेकर कस्बे में चर्चाओं का दौर जारी है। बस्सी कस्बे के निवासी अंकित सोनी ने 3 नवम्बर की रात को अपने काका के घर के कमरे में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में मृतक के भाई ने बस्सी कस्बे की ही युवती के विरुद्ध मानसिक प्रताड़ना, दबाव बनाने और आत्महत्या के लिए मजबूर करने की रिपोर्ट थाने में दी थी। आरोप है कि युवती ने अंकित को वीडियो कॉल कर परेशान किया और कुछ दिन पहले ही उसकी सगाई हुई थी। इसी दबाव के चलते उसने आत्महत्या कर ली। बस्सी थाने में मामला दर्ज होने के बाद युवती फरार हो गई और उच्च न्यायालय से गिरफ्तारी पर रोक लग गई थी। सुनवाई के दौरान आत्मसमर्पण करने की बात कही गई लेकिन युवती ने आत्म समर्पण नहीं किया। अब पुलिस ने इस मामले में ईनाम घोषित किया है। इस मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मृतक युवक का मोबाइल जांच के लिए लिया और इसमें चैट और डिजीटल भुगतान संबंधी खर्चों के प्रमाण मिले। मृतक युवक ने कई बार युवती के शॉपिंग और व्यक्तिगत खर्चों के साक्ष्य मिले थे। कई मैसेज डिलीट पाए जाने पर पुलिस ने डाटा रिकवरी कराई और पुख्ता प्रमाणों के बाद युवती को आरोपी माना गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि सगाई के बाद भी अंकित सोनी और युवती लगातार सम्पर्क में थे। बस्सी थाने में प्रकरण दर्ज होने के बाद युवती की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका लगाई थी और पहले गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगी बाद में अग्रिम जमानत याचिका का निस्तारण करते हुए गत 24 मार्च को उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि 15 दिन में आत्म समर्पण करने पर निचली अदालत जमानत अर्जी का निस्तारण कर सकती है और पुलिस रिमांड मांगे जाने पर निचली अदालत स्वतंत्र है। 15 दिन का समय निकलने के बाद न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं किया। उसके बाद से ही पुलिस लगातार युवती की तलाश में जुटी थी और इसके बाद ढाई हजार रुपए का ईनाम घोषित किया गया।

भगवंत मान संबंधी आदेश वाले फ्लेक्स बोर्ड फाड़े जाने पर एसजीपीसी नाराज

अमृतसर (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से जारी निर्देशों को सार्वजनिक करने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा लगाए गए फ्लेक्स बोर्ड कई स्थानों पर कथित तौर पर फाड़ दिए गए हैं। इस मामले को लेकर एसजीपीसी ने सख्त ऐतराज जताया है और संबंधित पुलिस थानों में शिकायत दर्ज करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसजीपीसी सदस्य एडवोकेट भगवंत सिंह सियालका ने आरोप लगाया कि अज्ञात लोगों ने रात के समय श्री अकाल तख्त साहिब के संदेश वाले कई फ्लेक्स बोर्डों को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि मजीठा और फतेहगढ़ साहिब से बोर्ड फाड़े जाने की सूचनाएं मिली हैं। सियालका के अनुसार, एसजीपीसी की ओर से संबंधित पुलिस थानों में शिकायतें देने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जिन गुरुद्वारों के अधीन ये बोर्ड लगाए गए थे, वहां के मैनेजर भी औपचारिक शिकायतें दर्ज करवाएंगे, ताकि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

भाजपा ने लोकतंत्र सेनानियों का किया सम्मान आपातकाल को बताया काला अध्याय

औरैया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला कार्यालय तुर्कीपुर में गुरुवार को आपातकाल की बरसी के अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान जेल जाने वाले और सरकारी यातनाएं सहने वाले लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। भाजपा पदाधिकारियों ने उन्हें माला और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत एवं सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आनंद सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने लोकतंत्र सेनानियों का अभिनंदन किया। इस दौरान वक्ताओं ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बताते हुए उस दौर को लोकतांत्रिक मूल्यों की कठिन परीक्षा बताया। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आनंद सिंह ने कहा कि 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा, जब देश पर आपातकाल थोपा गया था। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक चले इस दौर में नागरिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक अधिकारों पर गंभीर प्रतिबंध लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया और विपक्षी नेताओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल भेजा गया। भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रेस पर सेंसरशिप लागू कर दी गई थी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को नमन करती है, जिन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया और यातनाएं सहीं। लोकतंत्र सेनानी संगठन के जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को सदैव सजग रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है और नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का महत्व समझाना आवश्यक है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री यशवीर सिकरवार, मनु राजपूत, आशीष दुबे, भूरे चौबे, योगेंद्र कैथवार, इंद्रपाल पाल, अमरचंद्र राठौर, विशाल शुक्ला सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्जला एकादशी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, भजनों से गूंजा बाबा का दरबार

बीकानेर (हिंस)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर बीकानेर के जयपुर रोड स्थित खाटू श्याम बाबा मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा के दर्शन के लिए लगनी शुरू हो गईं। दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा और मंदिर परिसर बाबा के जयकारों तथा भजनों की मधुर स्वर लहरियों से भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर भक्तों द्वारा बाबा के दरबार में *सज मत श्याम नजर लग जाएगी, बरसाने की गुजरी तेरे पर मर जाएगी* जैसे मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा दरबार भक्ति रस में डूब गया। भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए और बाबा की भक्ति में लीन होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। निर्जला एकादशी को वर्षभर में आने वाली 24 एकादशियों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन उपवास रखने और भगवान की आराधना करने से सभी 24 एकादशियों के व्रत का पुण्य फल प्राप्त होता है। इसी आस्था के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने निर्जला व्रत रखा और बाबा के चरणों में पूजा सामग्री, मटकी, पंखा तथा अन्य धार्मिक वस्तुएं अर्पित कीं। मंदिर को इस विशेष अवसर पर कमल के फूलों से भव्य रूप से सजाया गया। बाबा का विशेष श्रृंगार चेतन शर्मा और किशन जोशी द्वारा कमल पुष्पों से किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों और आकर्षक सजावट से सजाया गया तथा साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर ट्रस्ट द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गईं। गर्मी से राहत देने के लिए लगभग 20 क्विंटल से अधिक दूध से तैयार पाइनएप्पल, बनाना और गुलाब फ्लेवर के शेक श्रद्धालुओं में प्रसाद स्वरूप वितरित किए गए। साथ ही मंदिर परिसर में छबील की विशेष व्यवस्था भी की गई, जिसमें कुलदीप चौधरी का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा मंदिर में आए प्रसाद स्वरूप फलों का भी श्रद्धालुओं में वितरण किया गया, जिससे भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी एवं सेवादार सुबह से ही सेवा कार्यों में जुटे रहे और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं को संभालते नजर आए। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के.के. शर्मा ने बताया कि निर्जला एकादशी का पर्व हर वर्ष अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। उन्होंने सभी भक्तों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंदिर परिवार सदैव श्रद्धालुओं की सेवा के लिए तत्पर रहेगा।

यूजर्स का डेटा भारत से बाहर भेजने पर रोक :देश में ही स्टोर होगा रिकार्ड टेलीकाम सेक्टर में लाइसेंस राज खत्म; अब आनलाइन मंजूरी मिलेगी

नई दिल्ली

अब आपकी प्राइवेसी और पर्सनल डेटा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा, क्योंकि अब टेलीकाम कंपनियों को आपके फोन, इंटरनेट इस्तेमाल और कालिंग से जुड़ा सभी तरह का डेटा और लाग्स अब भारत में ही स्टोर करना होगा। कोई भी कंपनी आपका पर्सनल डेटा देश के बाहर नहीं भेज पाएगी और न ही किसी विदेशी संस्था के साथ शेयर कर सकेगी। दरअसल, दूरसंचार विभाग (छ्रश्रञ्) ने बुधवार को टेलीकाम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं।

लाइसेंस राज खत्म, टेलीकाम ई-सर्विसेज पोर्टल शुरू - टेलीकाम सेक्टर में दशकों पुराना लाइसेंस राज खत्म कर एक नया और आसान मंजूरी सिस्टम शुरू किया है। इसके साथ ही सरकार ने टेलीकाम ई-सर्विसेज पोर्टल नाम की एक वेबसाइट भी बनाई है, ताकि सारा काम डिजिटल हो सके। अब तक कंपनियों को मोबाइल या इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए सरकार से जटिल और लंबी लाइसेंस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, जिसमें महीनों लग जाते थे। फायदा: अब नए आथराइजेशन सिस्टम से कंपनियां बहुत आसानी और तेजी से अपना काम शुरू कर पाएंगी।

टाटा सिएरा ईवी का टीजर जारी, 30 को होगी लांच

नई दिल्ली। अपनी बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी, सिएरा ईवी को टाटा मोटर्स इसी महीने 30 जून को लान्च करने जा रही है। हाल ही में कंपनी ने इसका टीजर जारी किया है। यह गाड़ी आल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) विकल्प के साथ आएगी। टीजर में सिएरा ईवी को रेतीले रास्तों पर आसानी से चलते हुए दिखाया गया है, और वीडियो के एक फ्रेम में कार पर साफ तौर पर एडब्ल्यूडी बैज नजर आता है। यह हरियर ईवी के बाद टाटा मोटर्स की दूसरी इलेक्ट्रिक कार होगी जिसमें यह दमदार लेआउट मिलेगा। यह कदम भारतीय आटोमोबाइल बाजार के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है, क्योंकि अभी तक सामान्य बजट वाले इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में आल-व्हील ड्राइव का विकल्प नहीं था। एडब्ल्यूडी सिस्टम खराब रास्तों पर तो मदद करेगा ही, साथ ही कार का पिकअप तेज करेगा, हाईवे पर शानदार परफार्मेंस देगा और फिसलन भरी जगहों पर बेहतर पकड़ बनाएगा। उम्मीद है कि टाटा इसमें हरियर ईवी वाला प्लेटफार्म ही इस्तेमाल करेगी, जिसमें 65 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक मिल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीबीडीटी का 27 लाख करोड़ प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य, 17 जून तक 15 फीसदी अधिक रहा संग्रह

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने चालू वित्त वर्ष में 26.97 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर एकत्रित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए उसने कई रणनीतिक उपायों की पहचान की है। 17 जून तक शुद्ध कर संग्रह 5.21 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है, जिससे इस लक्ष्य को प्राप्त करने की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इन उपायों में बकाया कर वसूली के लिए बेहतर प्रबंधन, कर छूट के गलत दावों का पता लगाना और कम कर जमा वाले मामलों में कर विवरणिका को अपडेट करने के कार्यक्रम शामिल हैं। बोर्ड की 2026-27 की केंद्रीय कार्य योजना के तहत, पुराने कर बकाए को आसानी से या मुश्किल से वसूल होने वाले बकाए के तौर पर बांटकर उनकी प्रभावी वसूली पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बैंकों, कंपनी रिकार्ड और वित्तीय इंटेलिजेंस इकाइयों की मदद से करदाताओं का पता लगाया जाएगा, और कर अधिकारियों के जरिये राशि प्राप्त की जाएगी। बड़े बकाया मामलों के लिए विशेष दल गठित किए जाएंगे। कर संग्रह की मजबूत शुरुआत से उम्मीद है कि वार्षिक लक्ष्य आसानी से पूरा हो जाएगा। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

डिजिटल पेमेंट में भीम की लंबी छलांग, साल भर में तीन गुना बढ़ा लेन-देन

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल पेमेंट का चलन अब आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। नकद के बजाय स्मार्टफोन से होने वाले भुगतान में लगातार तेजी आ रही है। इसी मजबूत रुझान का असर एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित भीम (क्चा्रुरू) पेमेंट्स ऐप के आंकड़ों में देखने को मिला है। पिछले एक साल में इस एप के जरिए होने वाले लेन-देन (ट्रांजैक्शन) की संख्या में तीन गुना से अधिक का उछाल आया है। एक साल महीने में कितने बढ़े भीम एप के आंकड़े बुधवार को जारी आधिकारिक रिलीज के अनुसार, जून 2025 से लेकर मई 2026 के बीच ट्रांजैक्शन वाल्यूम तेजी से बढ़ा है। जहां जून 2025 में इस प्लेटफार्म पर 7.96 करोड़ (79.64 मिलियन) लेन-देन हुए थे, वहीं मई 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 24.4 करोड़ (244 मिलियन) तक पहुंच गया। सिर्फ लेन-देन की संख्या ही नहीं, बल्कि मूल्य के आधार पर भी इस प्लेटफार्म ने बड़ा मुकाम हासिल किया है। आंकड़ों के मुताबिक, अकेले मई 2026 में भीम ऐप के जरिए कुल 26,952 करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए गए हैं। लोग सबसे ज्यादा किन चीजों के लिए कर रहे हैं डिजिटल पेमेंट राष्ट्रीय स्तर पर दिख रहे इस उछाल का पैटर्न राज्यों में भी साफ नजर आ रहा है।

दुनिया में चीनी संकट की आहट, गन्ने की फसल पर दोहरा संकट

नई दिल्ली। वैश्विक तेल संकट के बाद अब दुनिया के सामने चीनी संकट की आशंका गहराने लगी है। कमजोर मानसून, अल नीनो के प्रभाव और एथेनाल की बढ़ती मांग के कारण भारत में गन्ने के उत्पादन पर दबाव बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उत्पादन में कमी जारी रही तो आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। उद्योग जगत के अनुमानों के अनुसार, भारत में इस सीजन के दौरान करीब 309.5 लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद थी, लेकिन अब यह घटकर लगभग 279 लाख टन रहने का अनुमान है। यह देश की वार्षिक खपत 285 लाख टन से भी कम है। ऐसी स्थिति में आगामी सीजन की शुरुआत में चीनी का भंडार घटकर करीब 35 लाख टन रह सकता है, जो पिछले तीन दशकों का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अल नीनो के कारण मानसून कमजोर रहने की आशंका है, जिससे गन्ने की खेती प्रभावित हो सकती है। वर्ष 2015 में भी अल नीनो के प्रभाव से गन्ने की बुवाई प्रभावित हुई थी और 2016-17 में भारत को चीनी आयात तक करना पड़ा था। दूसरी ओर, पेट्रोल में एथेनाल मिश्रण बढ़ाने की सरकारी नीति के चलते गन्ने की मांग लगातार बढ़ रही है।

वनप्लस नया धमाका करने की तैयारी में

नई दिल्ली

स्मार्टफोन निर्माता कंपनी वनप्लस भारतीय बाजार में एक नया धमाका करने की तैयारी में है। कंपनी के इस धमाके का नाम वनप्लस एन6 है। कंपनी ने इस फोन का डिज़ाइन भी जारी कर दिया है, जिससे इसके लुक और फील का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह स्मार्टफोन उन ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है जो 20 हजार रुपये से कम कीमत में एक शक्तिशाली वनप्लस फोन की तलाश में हैं।

वनप्लस एन6 की सबसे बड़ी ख़ासियत इसकी 8000 एमएएच की विशाल बैटरी है, जिसे 45 वाट के सुपवूक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ पेश किया जाएगा। कंपनी का दावा है कि यह बैटरी एक बार फुल चार्ज होने पर तीन दिनों तक चलेगी और सात साल तक नियमित चार्जिंग के बाद भी अपनी बैटरी हेल्थ का 80 प्रतिशत बनाए रखने में सक्षम होगी। इतना ही नहीं, केवल 5 मिनट की चार्जिंग में यह फोन 1.7 घंटे का यूट्यूब वीडियो प्लेबैक देने का वादा करता है, जो व्यस्त जीवनशैली वाले उपयोगकर्ताओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। कंपनी का यह भी कहना है कि फोन पूरे 60 महीने तक स्मूद परफार्मेंस देगा। स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो, इसमें 6.72-इंच का एलसीडी पैनल, 144 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स की पीक ब्राइटनेस मिल सकती है, जो एक बेहतरीन विजुअल अनुभव प्रदान करेगी। यह फोन एंड्राइड 16 आपरेटिंग सिस्टम पर आधारित होगा और इसमें 8 जीबी एलपीडीडीआर5 रैम के साथ 128 जीबी इंटरनल स्टोरेज मिलने की उम्मीद है।

वनप्लस एन6 भारतीय बाजार में 30 जून, 2026 को लान्च होने की पुष्टि हुई है, हालांकि इसके लिए किसी भव्य इवेंट का आयोजन होने की संभावना कम है। 8 जीबी रैम और 128 जीबी इंटरनल स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत भारत में लगभग 18,000 रुपये होने की बात कही जा रही है। डिज़ाइन के मोर्चे पर, वनप्लस एन6 में ऊपर की ओर बीच में पंच-होल कैमरे वाला एक फ्लैट डिस्प्ले मिलेगा। फोन के पिछले हिस्से पर टाप-लेफ्ट कार्नर पर चौकोर आकार का कैमरा माड्यूल और बीच में वनप्लस की प्रतिष्ठित ब्रांडिंग मौजूद होगी।

टाटा मोटर्स ने की वाहनों की 1 जुलाई से कीमतें बढाने की घोषणा

नई दिल्ली। वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स 1 जुलाई से अपने कमर्शियल वाहनों की कीमतों में इजाफा करने जा रही है। कंपनी ने इस मूल्य वृद्धि का कारण कमोडिटी मार्केट की लगातार बढ़ती कीमतों और अन्य इनपुट कास्ट (उत्पादन लागत) के बढ़ते दबाव को बताया है। यह बढ़ोतरी 2.5 प्रतिशत तक होगी और विभिन्न माडलों तथा वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग लागू होगी। यह चालू वित्त वर्ष में टाटा मोटर्स द्वारा अपने वाणिज्यिक वाहन पोर्टफोलियो में की गई दूसरी मूल्य वृद्धि है, जो बाजार की मौजूदा आर्थिक चुनौतियों को दर्शाती है। इससे पहले, अप्रैल महीने में भी कंपनी ने इसी तरह के कारणों का हवाला देते हुए अपने कामर्शियल वाहनों के दाम 1.5प्रतिशत तक बढ़ाए थे। टाटा मोटर्स भारत में छोटे कामर्शियल वाहनों, पिक-अप ट्रकों, इंटरमीडिएट और हैवी कामर्शियल वाहनों के साथ-साथ बसों की एक विस्तृत श्रृखला का निर्माण और बिक्री करती है, और यह नई दरें उसके पूरे कामर्शियल व्हीकल्स पोर्टफोलियो पर प्रभावी होंगी। कंपनी ने माडल के हिसाब से कीमतों में बदलाव का खुलासा फिलहाल नहीं किया है। इसी क्रम में, कंपनी ने अपने पैसेंजर व्हीकल्स पोर्टफोलियो की कीमतों में भी 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है, जो भी 1 जुलाई से ही लागू होगी। पैसेंजर वाहनों की कीमतों में वृद्धि के लिए भी बढ़ती इनपुट कास्ट और इन्फलेशनरी प्रेशर (महंगाई के दबाव) को मुख्य कारण बताया गया है। यह बढ़ोतरी कंपनी के बेचे जाने वाले इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) माडल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) दोनों पर समान रूप से लागू होगी। यहां इनपुट कास्ट का अर्थ किसी भी वाहन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल जैसे स्टील, एल्युमीनियम, प्लास्टिक और रबर की लागत, मजदूरी और फैक्ट्री के अन्य खर्चों को मिलाकर आने वाली कुल लागत से है।

प्रभु देवा ने खरीदी एमजी एम9 ईवी कीमत है 75.90 लाख रुपए

नई दिल्ली

मशहूर एक्टर, डांसर और फिल्ममेकर प्रभु देवा अब एमजी एम9 ईवी के मालिक बन गए हैं। एमजी एम9 भारत में बिकने वाली एकमात्र इलेक्ट्रिक लग्जरी वैन है, जो सिंगल चार्ज पर 550 किलोमीटर की प्रभावशाली रेंज देती है और 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग (यूरो और आस्ट्रेलियन क्रैश टेस्ट में) से लैस है। एमजी मोटर्स की यह सबसे लग्जरी इलेक्ट्रिक एमपीवी, जिसकी कीमत 75.90 लाख रुपए है, प्रभु देवा के गैराज में शामिल हो गई है। सेगमेंट में इसका मुकाबला किआ कार्निवल जैसी गाड़ियों से होता है, लेकिन एमजी एम9 अपने शानदार स्पेस और बेजोड़ कम्फर्ट के लिए जानी जाती है।

इस एमपीवी का इंटीरियर लग्जरी और आराम का प्रतीक है, जिसमें काग्नेक ब्राउन लेदर का उपयोग किया गया है। फ्रंट में 12.23-इंच की टचस्क्रीन और 7-इंच का ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस एपल कारप्ले/एंड्राइड आटो और जेबीएल साउंड सिस्टम मिलता है। सबसे खास बात इसकी दूसरी पंक्ति की कैप्टन सीटें (जिसे एमजी प्रेसिडेंशियल सीटें कहती है), जो मसाज, वेंटिलेशन और हीटिंग फंक्शन के साथ फोल्ड-आउट ओटोमन की सुविधा भी देती हैं। पीछे बैठे यात्रियों के लिए पैनोरमिक सनरूफ, एंबिएंट लाइट और मैनुअल विंडो शेड्स भी मौजूद हैं। 5,200 मिमी की लंबाई और 3,200 मिमी के व्हीलबेस के साथ, यह किआ कार्निवल और टोयोटा वेलफायर जैसी एमपीवी से बड़ी है।

इसका बाक्सी डिजाइन, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल, 19-इंच के अलाय व्हील और बिजली से चलने वाले स्लाइडिंग डोर इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं सुरक्षा के मोर्चे पर, एमजी एम9 ईवी में लेवल 2 एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम, 7 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ईएसपी और चारों डिस्क ब्रेक जैसे फीचर्स शामिल हैं। यह व्हीकल टू लोड (वी2एल) और व्हीकल टू व्हीकल (वी2वी) चार्जिंग को भी सपोर्ट करती है।

एथेनाल-मिश्रित पेट्रोल से कारों में काली फंगस, सर्विसिंग खर्च दोगुना, माइलेज घटा

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल में एथेनाल मिश्रण की बढ़ती मात्रा से वाहन मालिकों की चिंताएं बढ़ी हैं। कई शहरों से गाड़ियों के माइलेज घटने, सर्विसिंग का खर्च दोगुना होने और फ्यूल टैंक में काली फंगस व जंग लगने की शिकायतें आई हैं। दिल्ली स्थित कार रिपेयरिंग मार्केट में मैकेनिकों का कहना है कि एथेनाल युक्त पेट्रोल के कारण वाहनों के फ्यूल सिस्टम और इंजन के महत्वपूर्ण पार्ट्स तेजी से खराब हो रहे हैं। दिल्ली के निवासी ने 3 साल पहले कार खरीदी थी। एक साल बाद ही उन्हें फ्यूल सिस्टम में दिक्कत महसूस हुई। उनकी कार केवल 10 प्रतिशत एथेनाल (ई10) वाले पेट्रोल के लिए बनी थी, लेकिन उसमें गलती से 20 प्रतिशत एथेनाल (ई20) वाला फ्यूल डाल दिया। इससे कार का माइलेज बुरी तरह प्रभावित हुआ और सालाना सर्विसिंग का खर्च 15-20 हजार रुपये से बढ़कर दोगुना हुआ। वहीं कुछ युवा भी सोशल मीडिया पर एथेनाल फ्यूल से जुड़ी गड़बड़ी के वीडियो देखकर चिंतित हैं और अब केवल पावर पेट्रोल का इस्तेमाल कर रहे हैं। पालिका मार्केट में 20 साल से कार रिपेयरिंग कर रहे शख्त बताते हैं कि पिछले दो सालों से फ्यूल से जुड़ी दिक्कतें काफी बढ़ी हैं। एथेनाल में पानी सोखने की क्षमता होने के कारण फ्यूल टैंक में काली काई जमने और फ्यूल पंप व सेंसर में जंग लगने की शिकायतें बढ़ी हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा, जबकि एशियाई बाजार में आमतौर पर मजबूती बनी हुई नजर आ रही है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिलाजुला कारोबार होता रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 182.06 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़ कर 51,848.90 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,358.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 110.40 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,476.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 51,866.04 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,461.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,385.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 153.22 अंक यानी 0.62 प्रतिशत टूट कर 24,740.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का जोर बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता हान्ग कान्ग का हैंग सेंग इंडेक्स 302.18 अंक यानी 1.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,110 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 137 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,160 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 297.80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,341.40 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 455.63 अंक यानी 5.38 प्रतिशत उछल कर 8,926.65 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,928.03 अंक यानी 4.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 72,103 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 90.07 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,975.95 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,561.72 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की छलांग लगा कर 4,125.76 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक उछाल के साथ 5,216.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026 : मेक्सिको ने चेकिया को 3–0 से रौंदा, विश्व कप में पहली बार ग्रुप चरण के सभी मैच जीते

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को चेकिया को 3-0 से हराकर ग्रुप चरण के अपने तीनों मुकाबले जीत लिए। इस जीत के साथ मेक्सिको ने इतिहास रचते हुए पहली बार विश्व कप के ग्रुप चरण में शत-प्रतिशत जीत दर्ज की।

मेक्सिको की जीत के नायक रहे 22 वर्षीय मातेओ चावेज़, जिन्होंने अपने पहले ही विश्व कप में 55वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जूलियन क्विनोनेस ने 61वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना दूसरा गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। मुकाबले के इंजरी टाइम में अल्वारो फिडाल्गो ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी।

इससे पहले मेक्सिको का सर्वश्रेष्ठ ग्रुप चरण प्रदर्शन दो जीत और एक ड्रा का रहा था, जो 1986 और 2002 विश्व कप में देखने को मिला था। दिलचस्प बात यह है कि दोनों अभियानों में जेवियर एग्विरे किसी न किसी रूप में टीम से जुड़े थे—1986 में खिलाड़ी और 2002 में मुख्य कोच के रूप में।

ग्रुप ए में शीर्ष स्थान पहले ही सुनिश्चित कर चुकी मेक्सिको अब राउंड आफ 32 में अपने अगले मुकाबले के लिए तैयार है, जो 1 जुलाई को एज़्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरी ओर, चेकिया का अभियान निराशाजनक रहा। टीम तीन मैचों में केवल एक अंक जुटा सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

मुकाबले में मेक्सिको के युवा और अनुभवी खिलाड़ियों ने भी सुर्खियां बटोरीं। 17 वर्षीय गिल्बर्टो मोरा विश्व कप में मेक्सिको की ओर से शुरुआती एकादश में उतरने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

वहीं 40 वर्षीय गोलकीपर गिलर्मो मेमो ओचोआ 77वें मिनट में मैदान पर उतरकर विश्व कप के छह संस्करणों में खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। इस सूची में केवल अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी शामिल हैं।

हालांकि मैच के दौरान कुछ दर्शकों द्वारा लगाए गए विवादित नारे भी चर्चा का विषय बने, जिनके कारण पहले भी मेक्सिको फुटबाल महासंघ को दंड झेलना पड़ा है।

मेक्सिको की यह जीत उसे नाकआउट चरण में मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करती है, जबकि चेकिया के लिए विश्व कप 2026 का सफर यहीं समाप्त हो गया।

न्यूज़ ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 : कनाडा को 2-1 से हराकर स्विट्ज़रलैंड ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान किया पक्का

वैंकूवर। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–बी मुकाबले में बुधवार को स्विट्ज़रलैंड ने कनाडा को 2–1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बीसी वैंकूवर स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में तीनों गोल दूसरे हाफ में देखने को मिले। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्ज़रलैंड ने आक्रामक रुख अपनाया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में योहान मांजाम्बी ने दूसरा गोल कर स्विट्ज़रलैंड की स्थिति मजबूत कर दी और स्कोर 2–0 कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद कनाडा ने वापसी की कोशिश की। 76वें मिनट में प्रामिस डेविड ने गोल कर अंतर कम किया और मुकाबले को रोमांचक बना दिया। मैच के अंतिम क्षणों में कनाडा बराबरी के बेहद करीब पहुंच गया था। अतिरिक्त समय के आखिरी मिनट में अलिस्टेयर जानस्टन का हेडर सीधे स्विट्ज़रलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल के हाथों में चला गया और कनाडा की उम्मीदें टूट गईं। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया, जबकि कनाडा को करीबी हार के बावजूद अगले चरण की उम्मीदों के लिए अन्य परिणामों पर निर्भर रहना होगा ।

फीफा विश्व कप 2026 :स्काटलैंड को हराकर ब्राज़ील ग्रुप-सी में शीर्ष पर, विनीसियस जूनियर ने दागे दो गोल

मियामी। स्टार विंगर विनीसियस जूनियर के शानदार दो गोलों की बदौलत ब्राज़ील ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–सी मुकाबले में बुधवार को स्काटलैंड को 3–0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया। मैच की शुरुआत से ही ब्राज़ील ने आक्रामक खेल दिखाया। सातवें मिनट में स्काटलैंड के रक्षक स्काट मैकेना की गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने गोल दागकर ब्राज़ील को बढ़त दिलाई। 22वें मिनट में विनीसियस ने एक और गोल किया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद इसे रद्द कर दिया गया। फैसला दिया गया कि उन्होंने स्काटलैंड के रक्षक जैक हेंड्री को फाउल किया था। हालांकि, विनीसियस ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में अपना दूसरा गोल दागकर ब्राज़ील की बढ़त दोगुनी कर दी। ब्रूनो गिमारेस के सटीक क्रास पर उन्होंने शानदार हेडर लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। दूसरे हाफ मे ब्राज़ील ने अपना दबदबा कायम रखा और तीसरा गोल भी कर दिया। ब्रूनो गिमारेस के पास पर माथेउस कुन्हा ने गोल करते हुए टूर्नामेंट में अपना तीसरा गोल दर्ज किया।

यूएस ओपन बैडमिंटनः तन्वी शर्मा और किदांबी श्रीकांत ने जीत के साथ किया आगाज

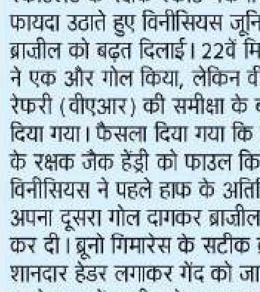

फुलर्टन (अमेरिका)। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा और थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 के महिला एकल वर्ग में विजयी शुरुआत की। तन्वी शर्मा ने जर्मनी की यवोन ली को 23–21, 21–16 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वही देविका सिहाग ने पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो को सीधे गेमों में 21–14, 21–14 से पराजित किया। पुरुष एकल वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में उभरते शटलर रौनक चौहान ने पूर्व विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता एस. शंकर मुथुसामी को 23–21, 21–16 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया। टूर्नामेंट के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए भारतीय खिलाड़ी डी. सनीत को मात्र 30 मिनट में 21–14, 21–12 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। महिला एकल में रक्षिता श्री ने भी जीत दर्ज की। उन्होंने चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवा को 21–15, 21–8 से हराया। मिश्रित युगल वर्ग में भारत की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ध्रुव रावत और के. मनीषा ने इंडोनेशिया के विरावन इहसान आदम और सेरेना कानी को 21–15, 21–16 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला केवल 26 मिनट में अपने नाम किया।

क्रिकेट किट खरीदने के लिए मां ने अपने गहने तक बेचे थे : क्रांति गौड़

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर राष्ट्रीय टीम तक पहुंची हैं। क्रांति का कहना है कि उसके यहां तक पहुंचने में माता-पिता और परिवार ने काफी संघर्ष और त्याग किया था। इसी कारण अब वह उनके लिए खिताब जीतकर गर्व का अनुभव कराना चाहती हैं। क्रांति के अनुसार उसकी क्रिकेट किट खरीदने के लिए उनकी मां ने अपने गहने तक बेच दिए थे।

यह उनके परिवार द्वारा किया एक बड़ा त्याग था, जिसने क्रांति को एक गहरी जिम्मेदारी का एहसास कराया। उन्होंने कहा, परिवार मेरे लिए इतना कर रहा था, तो मुझे जिम्मेदारी महसूस हुई। मैं उन्हें कुछ लौटाना चाहती थी। मैं उनके बलिदान को मायने देना चाहती थी। क्रांति अपने परिवार की हमेशा आभारी रहेंगी, जिन्होंने उन्हें अपनी पसंद का करियर चुनने और अपने सपनों को पूरा करने की आजादी दी। उस दौर को याद करते हुए क्रांति बताती हैं, उस समय कई लड़कियों को घर से बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं थी, लेकिन मेरे माता–पिता अलग थे। उन्होंने कभी मुझे यह महसूस नहीं कराया कि मैं कुछ गलत कर रही हूं। उन्होंने मेरे सपने पर भरोसा किया। पैसों की तंगी के बावजूद, उनके माता–पिता ने हर कदम पर उनका साथ दिया। क्रांति मानती हैं कि जब परिवार का साथ हो, तो बाहरी दुनिया की नकारात्मक बातों का कोई मतलब नहीं रह जाता। उनके परिवार के इस अटूट विश्वास और समर्थन ने उन्हें अपने लक्ष्यों को पाने की ताकत दी। क्रांति की सफलता ने सिर्फ उनके जीवन को ही नहीं, बल्कि उनके पैतृक गांव घुवारा में भी एक क्रांति ला दी है। उन्होंने गर्व से बताया कि भारत के लिए उनके सफल प्रदर्शनों की वजह से गांव में एक क्रिकेट अकादमी खुल गई है।

ब्रॉड भी हुए वैभव के मुरीद, बोले उससे संभलकर रहे इंग्लैंड के गेंदबाज

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 15 साल के उभरते हुए भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि हम उसका खेल देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैभव के आक्रामक अंदाज के साथ ही उनकी निडर रवैये से भी ब्रॉड बेहद प्रभावित हैं अनका कहना है कि विरोधी टीम के लिए इस बल्लेबाज पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। वैभव ने जिस प्रकार से हाल में भारत ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका 'ए के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी और 11 गेंदों में लिस्ट–ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक लगाया था। उससे भी इंग्लैंड के खेमे में जबरदस्त उत्साह है। ब्रॉड ने कहा, उसके पास सब कुछ है, है न अब तो वह स्लेजिंग भी करने लगा है! उसके लिए क्रिकेट बहुत आसान हो गया है। 11 गेंदों में अर्धशतक! यह वाकई पागलपन है। उन्होंने आगे कहा, मैं 1 जुलाई को डरहम में भारत के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में रहूंगा और मुझे सच में लगता है कि मैं उसे देखकर हैरान रह जाऊंगा। ब्रॉड ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैभव की यह चर्चा केवल सोशल मीडिया में बनी हुई कहानी नहीं है। क्रिकेट जगत में हर कोई इसी क्रिकेटरर की बात कर रहा। ब्रॉड ने बताया, मैंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सहायक कोच दिनेश कार्तिक से जबवैभव के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि यह लड़का सचमुच असाधारण है। आप सोच भी नहीं सकते कि यह बच्चा कितना बेहतरीन क्रिकेटर है। ब्राड के अलावा इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भी वैभव जमकर प्रशंसा की है।बटलर ने उनके रिकॉर्ड्स की तारीफ करते हुए कहा, उसने भारत ए के लिए 11 गेंदों में 50 रन बनाए, जो लिस्ट–ए इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है। इंग्लैंड टीम को सावधान करते हुए बटलर ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो हमने पहले कभी नहीं देखा। वह जिस तेजी से रिकॉर्ड्स तोड़ रहा है, वह डराने वाला है। एक इंग्लिश टीम के रूप में हमें टी20 सीरीज में उसपर अंकुश लगाने के तरीके खोजने होंगे। वह वाकई एक अलग स्तर का खिलाड़ी है। गौरतलब है कि वैभव ने पिछले कुछ महीनों में जिस तेजी से क्रिकेट की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है, उसने उन्हें सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का एक चर्चित चेहरा बना दिया है। अब इंग्लैंड दौरे पर सभी की निगाहें इस बात पर टिकी होंगी कि क्या विदेशी पिचों पर भी वैभव उसी रफ्तार से रन बनाएंगे, जिस तरह उन्होंने घरेलू पिचों पर बनाये हैं।

महिला टी20 विश्व कप वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

लंदन

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने बुधवार को वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इंग्लैंड टूर्नामेंट की पहली टीम बन गई है जिसने अंतिम चार में प्रवेश किया है।

दोनों टीमें इस मुकाबले से पहले अपराजित थीं, लेकिन इंग्लैंड ने एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज कर अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 186 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज डैनी वायट–हाज ने 65 रन की शानदार पारी खेली, जबकि कप्तान हीदर नाइट ने 43 रन का योगदान दिया।

हालांकि चिनेल हेनरी ने शुरुआती झटका देते हुए एमी जोन्स को आउट किया, लेकिन डैनी वायट–हाज और हीदर नाइट ने पारी को संभाल लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अशमिनी मुनिसार ने दो विकेट लिए।

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद धीमी रही। पावरप्ले के पहले तीन ओवरों में टीम केवल 12 रन ही बना सकी। कप्तान हेली मैथ्यूज ने कुछ आकर्षक शाट लगाए, लेकिन विवादास्पद फैसले का शिकार होकर 14 रन पर आउट हो गईं।

इसके बाद डिएंड्रा डाटिन ने तेजी से रन बनाने की कोशिश की, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। मध्यक्रम भी दबाव में बिखर गया और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही।

अंतिम ओवरों में चिनेल हेनरी ने संघर्ष करते हुए नाबाद 51 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सकीं। वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड की ओर से चार्ली डीन ने दो विकेट झटके, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी कर वेस्टइंडीज को लक्ष्य से काफी दूर रखा।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि वेस्टइंडीज को अब अगले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी।

संक्षिप्त स्कोरः

इंग्लैंड – 186/7 (20 ओवर)
डैनी वायट–हाज 65, हीदर नाइट 43
अशमिनी मुनिसार 2/42
वेस्टइंडीज – 148/5 (20 ओवर)
चिनेल हेनरी 51*
चार्ली डीन 2/31
परिणामः इंग्लैंड ने 38 रन से जीत दर्ज की।

आईएचएफ महिला अंडर 20 हैंडबाल विश्व चैम्पियनशिप

चीन में ग्रुप ई आईएचएफ महिला अंडर 20 हैंडबाल विश्व चैम्पियनशिप में खेलते हुए चीन और अल्जीरिया के खिलाड़ी।

इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक टेस्ट से बाहर रहेंगे काइल जैमीसन

नाटिंघम

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड टीम प्रबंधन ने उनके कार्यभार (वर्कलोड) को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। टीम के कप्तान टाम लैथम ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। करीब सात फीट लंबे तेज गेंदबाज जैमीसन ने लार्ड्स और द ओवल में खेले गए पहले दो टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 24.20 की औसत से 10 विकेट हासिल किए थे। तीन मैचों की श्रृंखला फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है और अंतिम मुकाबला गुरुवार से नाटिंघम में शुरू होगा।

पिछले कुछ वर्षों में पीठ की चोटों से जूझने वाले जैमीसन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की है। उन्होंने पहले दो टेस्ट में कुल 65 ओवर गेंदबाजी की, जो दोनों टीमों के किसी भी गेंदबाज द्वारा डाले गए सबसे अधिक ओवर थे। ऐसे में न्यूजीलैंड ने एहतियातन उन्हें आराम देने का फैसला किया है।

कप्तान टाम लैथम ने ट्रेंट ब्रिज में पत्रकारों से कहा, काइल जैमीसन चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। शुरुआत से ही योजना थी कि वह दो टेस्ट मैच खेलेंगे।

उन्होंने आगे कहा, वह पूरी तरह फिट हैं और किसी तरह की चोट नहीं है। पिछले दो–तीन वर्षों में उन्होंने जिस कठिन दौर का सामना किया है, उसे देखते हुए दो टेस्ट खेल पाना हमारे और उनके लिए बड़ी उपलब्धि है।

जैमीसन की जगह तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है। इसके अलावा न्यूजीलैंड प्रबंधन बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सैंटनर को भी टीम में शामिल करने पर विचार कर रहा है। सैंटनर फिटनेस हासिल कर चुके हैं और नाटिंघम में गर्म एवं शुष्क मौसम को देखते हुए स्पिन विकल्प अहम साबित हो सकता है।

ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के पहले दो दिनों के लिए गर्मी की चेतावनी जारी की गई है, लेकिन लैथम ने इसे लेकर चिंता जताने से इनकार किया।

उन्होंने कहा, मैं इसे चिंता का विषय नहीं मानता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के नाते हम दुनिया भर में गर्म और उमस भरी परिस्थितियों में खेलने के आदी हैं।

लैथम ने खिलाड़ियों को हाइड्रेशन पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हुए कहा, पांच दिनों तक अच्छा प्रदर्शन करने के लिए शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनाए रखना बेहद जरूरी है।

न्यूजीलैंड अब बिना जैमीसन के निर्णायक मुकाबले में उतरकर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगा।

फीफा विश्व कप 2026 : दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार विश्व कप नाकआउट में किया प्रवेश

दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से दी शिकस्त

मेक्सिको

दक्षिण अफ्रीका ने फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रचते हुए दक्षिण कोरिया को 1–0 से हराकर पहली बार नाकआउट चरण में प्रवेश कर लिया।

मेक्सिको के मोंटेरे स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए ग्रुप ए के इस मुकाबले में थापेलो मासेको के दूसरे हाफ में किए गए गोल ने दक्षिण अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

2010 में अपने देश में आयोजित विश्व कप के बाद पहली बार टूर्नामेंट में खेल रही दक्षिण अफ्रीकी टीम को शुरुआती मुकाबले में मेक्सिको से 0–2 की हार के बाद लगभग बाहर माना जा रहा था। हालांकि, उसने चेक गणराज्य के खिलाफ ड्रा खेलकर वापसी की और फिर दक्षिण कोरिया को हराकर अंतिम–32 में जगह बना ली।

मुकाबले की शुरुआत दक्षिण कोरिया ने आक्रामक अंदाज में की। कप्तान की जगह टीम की अगुवाई कर रहे किम मिन–जे का शक्तिशाली हेडर गोल लाइन पर ही रोक दिया गया, जबकि ली कांग–इन का प्रयास मामूली अंतर से बाहर चला गया।

दक्षिण अफ्रीका ने धीरे–धीरे खेल पर पकड़ बनाई, लेकिन फिनिशिंग में कमजोरी दिखाई। 30वें मिनट में उसे बढ़त लेने का सुनहरा मौका मिला, जब एविडेंस माकगोपा के पास आसान अवसर था, लेकिन वह गोलकीपर किम सियुंग–ग्यु को भेद नहीं सके।

दूसरे हाफ की शुरुआत में दक्षिण कोरिया ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने स्टार खिलाड़ी और कप्तान सोन ह्युंग–मिन को मैदान पर उतारा। इसके बावजूद टीम को सफलता नहीं मिली।

63वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका को वह मौका मिला जिसका उसे इंतजार था। त्शेपांग मोरेमी के क्रास पर थापेलो मासेको ने शानदार फिनिश करते हुए गेंद को निकट पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया और अपनी टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी।

गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर रोनवेन विलियम्स और रक्षापंक्ति ने कोई मौका नहीं दिया।

इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने नाकआउट चरण में जगह पक्की कर ली, जहां उसका सामना 28 जून को लास एंजिलिस में सह–मेजबान कनाडा से होगा।

वहीं, मेक्सिको ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर नौ अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिणामः दक्षिण अफ्रीका 1–0 दक्षिण कोरिया

गोलः थापेलो मासेको (63वां मिनट)

अगला मुकाबलाः दक्षिण अफ्रीका बनाम कनाडा (राउंड आफ 32) – 28 जून।

कहीं भी हो सकते हैं मुंहासे...

मुंहासे हमारे शरीर के किसी भी भाग में हो सकते हैं, यहां तक कि सिर की त्वचा पर भी। सिर की त्वचा में मुंहासों की समस्या होने के बहुत से कारण होते हैं जैसे कि हार्मोन्स में असंतुलन, अस्वास्थ्यकर आहार, अस्वच्छता, एलर्जिक रिएक्शन आदि। आज हम आपको सिर की त्वचा पर आने वाले मुंहासों से तुरंत छुटकारा पाने के तरीके बताएंगे। टी ट्री ऑइल एक एंटीसेप्टिक और कीटाणु नाशक की तरह काम करते है। ऑलिव ऑयल और टी ट्री ऑयल को एक साथ मिला कर सिर पर लगाने से मुंहासें पैदा करने वाले कीटाणु मर जाते हैं। विनेगर और पानी को मिलाकर बालों में 20 मिनट लगाने से मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया और तेल को साफ किया जा सकता है। 20 मिनट बाद आप बालों को धो लें। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए हल्दी पाउडर तथा नारियल के तेल को मिलाएं। इसे सिर पर मुंहासों वाली जगह पर लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से धो डालें। एलोवेरा बहुत ही चमत्कारी है। इसे मुंहासों वाली जगह पर लगा कर कुछ देर तक सूखने दें। इसे दिन में कम से कम दो-तीन बार लगाएं। नीम में एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण होते हैं जिसके कारण यह मुंहासों के उपचार में काफी प्रभावी होता है। इसके लिए पानी में कुछ पत्तियों को उबाल लें और पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को रोज मुंहासे पर लगाने से मुंहासे जल्दी सुख जाते है। सिर की त्वचा पर 10 मिनट टमाटर का ताजा रस लगाने से मुंहासों को दूर किया जा सकता है। इसमें सैलिसिलिक एसिड होता है।10 मिनट बाद में पानी से धो लें। इसे त्वचा पर ज्यादा देर तक न लगा रहने दें। शहद मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को रोकता है। इसे 10 मिनट मुंहासों पर लगा और पानी से धो दें। इसे दिन में कम से कम एक बार जरूर करें।

थ्रेडिंग के बाद पिंपल्स से छुटकारा

आजकल ज्यादातर महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए अपने चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग करवाती हैं। हर तरह की त्वचा पर थ्रेडिंग हो सकती है फिर चाहें आपकी त्वचा संवदेनशील हो या नहीं। पर अक्सर देखा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं को थ्रेडिंग करवाने के बाद में दाने, पिंपल्स हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपको थ्रेडिंग के बाद होने वाले पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान से टिप्स देगें। थ्रेडिंग करवाने से पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धों लें। ऐसा करने से थ्रेडिंग के समय दर्द कम होता है। चेहरे को कॉटन के कपड़े से हल्के हाथों से पोंछ न कि रगड़कर पोंछें। अगर आप रगड़ कर कर पोंछेगे तो त्वचा ड्राई हो जाती है। अगर आपने घर पर ही टोनर बनाया हुआ है तो उसे चेहरे को हल्का नम कर दें। अगर आपके चेहरे पर दाने निकले हुए है तो उन पर जड़ी बूटी से बना टोनर ही लगाएं या फिर घर में बनी दालचीनी की चाय को टोनर के रूप में लगा सकती हैं। यह सब करने के बाद ही आप पार्लर में जाकर थ्रेडिंग करवाएं। जलन और संक्रमण से बचने के लिए अपनी आईब्रो पर बर्फ लगाएं। चेहरे को हमेशा गुलाब जल से ही धोएं। इसे लगाने से आपकी आईब्रो पर लगे कट, दाने व पिंपल ठीक हो जाते है। ध्यान में रखें कि आप जब भी थ्रेडिंग करवाकर आए तो थ्रेड़िंग वाले हिस्से को न छुएं। थ्रेडिंग करवाने के बाद कम से कम 12 घंटे की अवधि के दौरान एसिड की मौजूदगी वाले सुगांधित कॉस्मेटिक उत्पाद जैसे क्लींजर और मॉश्चराइजर न लगाएं।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

ब्रेस्टफीडिंग

कराने से होते हैं ये फायदे

मां के दूध में बच्चे के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। मां का दूध बच्चे के लिए संपूर्ण आहार कहा जाता है। छः महीने तक शिशु शरीर की सारी जरूरतें इससे पूरी हो जाती है। जिन शिशुओं को मां का दूध दिया जाता है, वे अन्य शिशुओं के मुकाबले कम बीमार पड़ते हैं। इतना ही नहीं ब्रेस्टफीडिंग सिर्फ आपके शिशु के लिए ही नहीं बल्कि आपके लिए भी फायदेमंद है। स्तनपान कराने वाली महिलाएं रोगमुक्त रहती हैं।

संक्रमण से बचाव

ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं में सांस संबंधी समस्या व कान के संक्रमण जैसी समस्याओं से रक्षा होती है। इसके अलावा यह बच्चों में मधुमेह एव श्वेत रक्तता, और अन्य एलर्जी जैसे दमा और एक्जिमा के खतरे को कम करता है।

शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी

ब्रेस्टफीडिंग समय से पहले जन्में शिशुओं की सेहत में सुधार करता है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों का वजन काफी कम होता है। ब्रेस्टफीडिंग के जरिए शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी की जा सकती है।

वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है

ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं को बचपन में होने वाले मोटापे के खतरे को कम किया जा सकता है। बाहरी दूध की तुलना में मां के दूध में इन्सुलिन काफी कम होता है (इन्सुलिन वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है)।

स्वस्थ आदतों का विकास

स्तनपान करने वाले शिशु अपने भोजन को नियमित रूप से लेने में, और जैसे-जैसे उनका शारीरिक विकास होता है वैसे-वैसे स्वस्थ आदतों को विकसित करने मे भी अधिक कुशल होते है।

दिमाग का विकास

मां के दूध में कई ऐसे तत्व होते हैं जो शिशु के दिमाग के विकास के लिए जरूरी है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि स्तनपान करने वाले शिशु बुद्धिमान होते हैं।

शरीर का तापमान होता है सामान्य

शिशु के जन्म के पहले कुछ हफ्तों में, अधिकांश शिशुओं को अपने शरीर के तापमान को सामान्य बनाने में कठिनाई होती है। स्तनपान आपके शिशु की उसके शरीर का तापमान सामान्य रखने में मदद करता है। उसे गर्म रखने के अलावा,त्वचा का त्वचा से स्पर्श आपके और आपके शिशु के बीच मजबूत भावनात्मक बंधन को भी बढ़ाता है।

तकलीफ के कम लक्षणों का प्रकट होना

मां के दूध के फायदों के बारे में विशेषज्ञों ने पता लगाया है कि जिन शिशुओं को टीकाकरण से ठीक पहले अथवा बाद में स्तनपान कराया जाता है, उनमें तकलीफ के कम लक्षण प्रकट होते हैं।

वजन मां का भी कम होता है

स्तनपान कराने वाली महिलाएं अधिक कैलोरी को इस्तेमाल करती हैं जिसकी वजह से उनका वजन बढ़ जाता है। लेकिन प्राकृतिक ढंग से वजन को कम करने और मोटापे से बचने का यह कारगर तरीका है।

तनावमुक्त करने में मददगार

जब शिशु की तबीयत ठीक नहीं होती या वो बैचेनी महसूस करता है तो स्तनपान कराने से उसे आराम मिलता है। स्तनपान शिशु का रोना कम करने, और आपको तनावमुक्त करने में मदद करता है।

कैंसर का खतरा कम

स्तनपान करानेवाली माताओं को स्तन या गर्भाशय के कैंसर का खतरा कम होता है। स्तनपान एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक है।

इस तरह से ब्रेस्टफीडिंग कराना बच्चे के साथ-साथ मां के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

पौधा एक फायदे अनेक

अश्वगंधा एक झाड़ीदार रोमयुक्त पौधा है। अश्वगंधा कहने को एक पौधा है, लेकिन यह बहुवर्षीय पौधा पौष्टिक जड़ों से युक्त है। अश्वगंधा के बीज, फल एवं छाल का विभिन्न रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। अश्वगंधा के पौधे में ऐसे औषधीय गुण होते हैं जो वजन घटाने, लकवा आदि से लड़ने में आपकी मदद करते हैं। ये पौधा बुखार, संक्रमण और सूजन आदि शारीरिक समस्याओं के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। इसमें हार्ट अटैक के खतरे को कम करने की क्षमता मौजूद होती है। यह मधुमेह से ग्रसित लोगों में मोतियाबिंद जैसी समस्या पर भी लगाम लगाता है।

निरोग करें शरीर: अश्वगंधा पौधे की पत्तियां त्वचा रोग, शरीर की सूजन एवं शरीर पर पड़े घाव और जख्म भरने जैसी समस्या से लेकर बहुत सी बीमारियों में भी बहुत उपयोगी है। अश्वगंधा के पौधे को पीसकर लेप बनाकर लगाने से शरीर की सूजन, शरीर की किसी विकृत ग्रथि और किसी भी तरह के फुंसी-फोड़े को हटाने में काम आती है। अश्वगंधा पौधे की पत्तियों को घी, शहद पीपल इत्यादि के साथ मिलाकर सेवन करने से शरीर निरोग रहता है।

चर्म रोग से निजात

यदि किसी को चर्म रोग है तो उसके लिए भी अश्वगंधा जड़ीबूटी बहुत लाभकरी है। इसका चूर्ण बनाकर तेल से साथ लगाने से चर्म रोग से निजात पाई जा सकती है।

कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करें

आमतौर पर कैंसर की दवाएं बीमार कोशिकाओं के साथ-साथ सामान्य कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है, जिससे अन्य रोगों के बढ़ने की संभावना हो जाती है। लेकिन कैंसर की दवाओं के साथ अश्वगंधा का सेवन करने से अदभुत फायदा देखा गया है। अश्वगंधा के प्रयोग से केवल कैंसर ग्रस्त कोशिकाएं व न्यूरान्स ही नष्ट हुए, जबकि अन्य कोशिकाओं व न्यूरान्स को कोई नुकसान नही पहुंचा।

जवां बनाए रखें

वैज्ञानिकों के अनुसार अश्वगंधा के सेवन से न केवल मनुष्य लंबी उम्र तक जवान रह सकता है बल्कि इसको शरीर की त्वचा पर लगाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी बचा जा सकता है।

अन्य लाभ

उच्चरक्तचाप की समस्या से पीड़ित लोग यदि अश्वगंधा के चूर्ण का दूध के साथ नियमित सेवन करेंगे तो निश्चित तौर पर उनका रक्तचाप सामान्य हो जाएगा। शरीर में कमजोरी या दुर्बलता को भी अश्वगंधा तेल से मालिश कर दूर किया जा सकता है, इतना ही नहीं गैस संबंधी समस्या में भी ये पौधा अत्यंत लाभदायक होता है। सांस संबंधी रोगों से निजात पाने के लिए अश्वगंधा के क्षार को शहद को घी के साथ मिलाकर सेवन करने से बहुत लाभ मिलता है। वृद्धावस्था में होने वाली बीमारियों को दूर करने, तरोताजा रहने और ऊर्जावान बने रहने के लिए अश्वगंधा चूर्ण को प्रतिदिन दूध के साथ लेना चाहिए।

प्याज के रस से कैसे बढ़ाएं बालों की लंबाई

प्याज घर में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ बालों के उत्पादों में से एक है। हालांकि अक्सर लोग इसकी तीखी गंध और इसे काटने पर आंखों में आने वाले आंसू के कारण इसे पसंद नहीं करते। लेकिन क्या आप जानती हैं कि प्याज बालों की विभिन्न प्रकार की समस्याएं जैसे बालों का झड़ना और दोमुंहें बालों को दूर करने में बहुत मददगार होती है। प्याज में मौजूद सल्फर बालों की जड़ों को पोषण देता है जिससे बालों के विकास में मदद मिलती है।

इसलिए बहुत से लोग बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस लगाते हैं। प्याज में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण के कारण इसका रस बालों में लगाने से गिरते बालों को रोकने, रूसी और सिर के संक्रमण आदि को दूर करने में मदद मिलती है। यह घरेलू उपाय बालों को चमकदार और मजबूत बनाने के लिए अदभुत रूप से काम करता है। अगर आप भी अपने बालों को स्वस्थ, चमकदार और लंबे बालों की चाह रखते हैं तो प्याज के रस से बने हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्याज का रस

प्याज का रस निकालकर इसे अपने सिर की त्वचा यानी स्कैल्प पर लगाकर 25-30 मिनट के लिए छोड़ दें। साथ ही अपने सिर पर तौलिए को लपेट लें ताकी बालों के रोम इसे अवशोषित कर लें। फिर शैंपू से बालों को धो लें।

प्याज के साथ बीयर

बीयर आपके बालों को प्राकृतिक रुप से चमकदार बनाती है। प्याज के रस को बीयर में मिक्स करके लगाने से बालों की ग्रोथ होने के साथ बाल कंडीशन भी होते हैं। बाल को बढ़ाने के लिए इस उपाय को एक सप्ताह में दो बार करें।

प्याज और नारियल का तेल

तेल के साथ प्याज के रस को मिक्स करने पर यह बालों के विकास को बढ़ाता है और बालों को पोषण भी देता है। प्याज के रस को तेल के साथ मिलाकर बालों में मसाज करें। फिर एक तौलिया लपेटें और भाप लें। यह उपाय स्कैल्प से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है, जिससे बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है।

प्याज के साथ शहद

बालों के विकास के लिए यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिला लें। इस पेस्ट को बालों के उस हिस्से में लगाए जहां पर बाल कम हैं।

प्याज के साथ नींबू

नींबू और प्याज के रस का प्रयोग बालों की ग्रोथ के साथ रूसी के इलाज में भी मदद करती है। नींबू का रस स्कैल्प को साफ करने के साथ बालों का झड़ना भी कम करता है।

प्याज का रस और रम

बालों के विकास के लिए प्याज के रस का प्रयोग सबसे आसान तरीका है। इसके लिए रातभर आपको रम के एक गिलास में घिसी हुई प्याज को डाल कर रखना होगा। सुबह इस मिश्रण को छान कर अपने सिर की मसाज करें। इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी और जल्द से जल्द बाल बढ़ने शुरु हो जाएगें।

प्याज और अंडे की सफेदी

यह बात तो शायद सभी जानते हैं कि अंडा बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लंबे बालों की चाह रखने वाले लोगों के लिए प्याज और अंडे से बना हेयर पैक बहुत ही लाभकारी होता है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज के रस में अंडे के सफेद हिस्से को मिक्स कर लें। फिर इस पैक को 25-30 मिनट अपने गीले बालों में लगाकर शैंपू कर दें। प्याज के रस से बने हेयर पैक के इस्तेमाल से आप आसानी से बालों को लंबा, घना और चमकदार बना सकते हैं।

रेसिपी

भाटीया कड़ी

सामग्री

1 कप तुवर दाल, 1/4 कप दही, 1 टेबल-स्पून बेसन, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून मेथी दानें, 1 कप भिंडी, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 1/4 कप स्लाईस्ड मूली, 1 1/2 कप सहजन फल्ली, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 3 से 4 कोकम, 10 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 4 टेबल-स्पून कटा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप मोटे स्लाईस्ड केले, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

तुवर दाल और 5 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। हल्का ठंडा कर, दाल छान लें और पानी को एक तरफ रख दें। इस व्यंजन के लिए आपको केवल पानी की आवश्यक्ता है। दही और बेसन को एक बाउल में अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा, सरसों, हींग और मेथी दानें डालें। जब सरसों के बीज चटकने लगे, भिंडी, मूली, सहजन फल्ली और छाना हुआ दाल का पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढक्कन से ढककर, धिमी आंच पर 8-10 मिनट के लिए या सब्जीयों के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोकम, गुड़, तैयार दही-बेसन का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धिमी आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए पका लें। केले डालकर अच्छी तरह मिला लें और धिमी आंच पर और 2 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

माठा ची भाजी

सामग्री

6 कप कटी हुई चौलाई भाजी, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टेबल-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 कप अंकुरित मूंग, एक चुटकी शक्कर, नमक सवादअनुसार, सजाने के लिए 3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

कढ़ाई मे तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुनें। प्याज डालकर मध्यम आंच पर और मिनट या प्याज के नरम होने तक भुनें। चौलाई भाजी, अंकुरित मूंग डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भुनें। 2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलायें। ढककर धिमी आंच पर 15 से 20 मिनट या अंकुरित मूंग के पकने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें, जिससे सब्जी को बर्तन के नीचे चिपकने से बचाया जा सके। धनिया से सजाकर तुंरत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**